पढ़ें देवभूमि के सब परिवार, जगे देशभक्ति मिले संस्कार www.matrivandana.org

मातृवन्दना

ज्येष्ठ-आषाढ़, कलियुगाब्द 5120, जून 2018

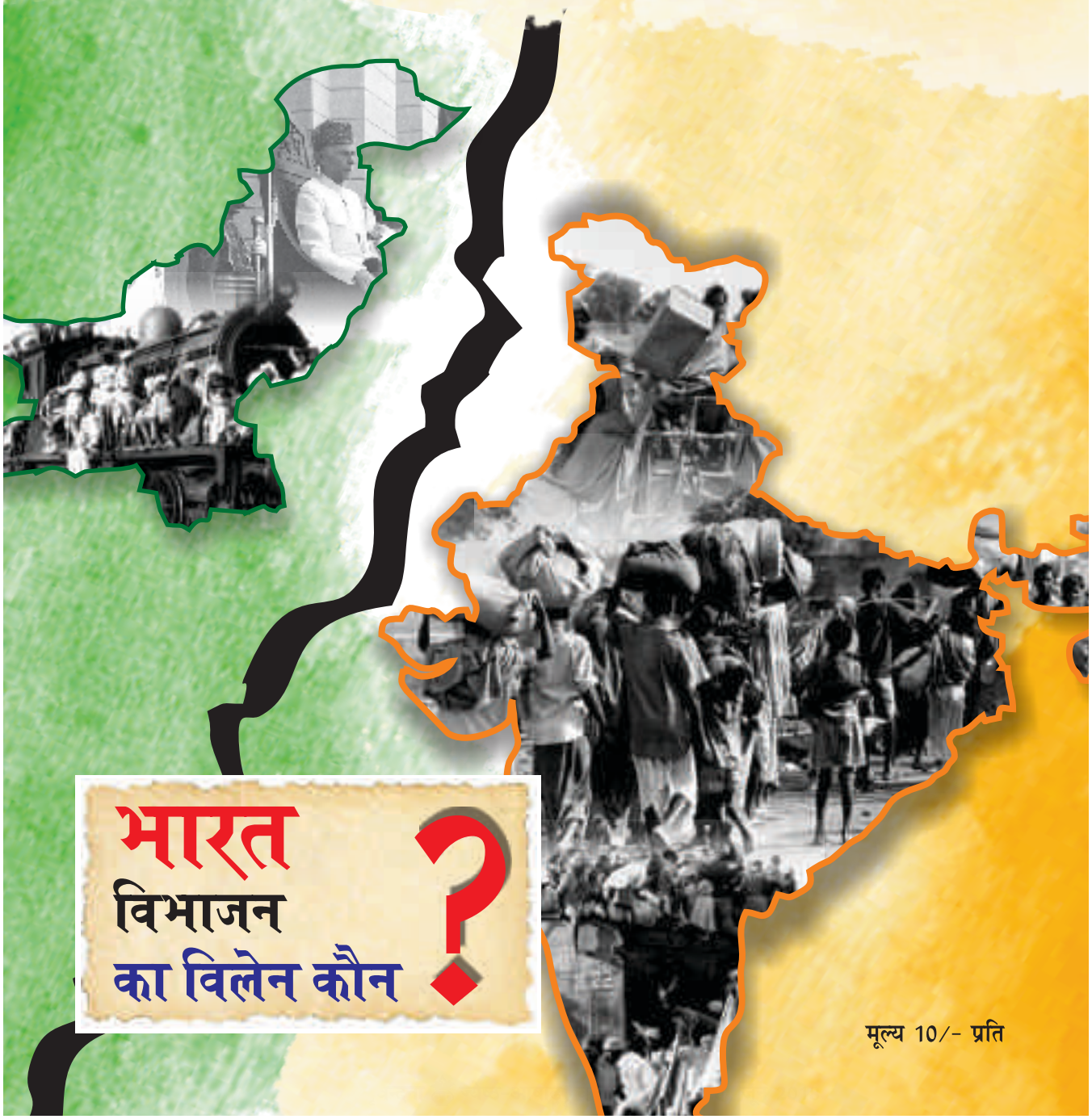

भारत विभाजन का विलेन कौन ?

मूल्य 10/- प्रति

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः

S.O.S

1.5T MRI CENTER

ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर व नंगल में पहली 1.5 T MRI मशीन

- बेहतर तकनीक, बेहतर क्वालिटी
- नवीनतम उपकरण युक्त लेबोरेटरी

OPEN 24 HOURS

हमें विश्वास है
बेहतर आपका अधिकार है।

क्षेत्र की पहली 1.5T MRI

सामने क्षेत्रीय हस्पताल, ऊना

✆ 88940-71212

विद्या मित्रं प्रवासेषु भार्या मित्रं गृहेषु च।
रुग्णस्य चौषधां मित्रं धार्मो मित्रंमृतस्य च॥

अर्थात: प्रवास की मित्र विद्या, घर की मित्र पत्नी,
मरीजों की मित्र औषधि और मृत्योपरांत मित्र धर्म ही होता है।

वर्ष : 18 अंक : 6

मातृवन्दना

ज्येष्ठ-आषढ़, कलियुगाब्द
5120, जून 2018

सम्पादक
डॉ. दयानन्द शर्मा

सह-सम्पादक
वासुदेव शर्मा

सम्पादक मण्डल
दलेल सिंह ठाकुर
डॉ॰ अर्चना गुलेरिया
नीतू वर्मा

पत्रिका प्रमुख
राजेन्द्र शर्मा

वितरण प्रमुख
जय सिंह ठाकुर

प्रबन्धक
महीधर प्रसाद

वार्षिक शुल्क
100 रुपये

कार्यालय
मातृवन्दना
डॉ. हेडगेवार भवन,
नाभा हाउस
शिमला-171 004
दूरभाष : 0177-2836990

e-mail:
www.matrivandana.org
matrivandanashimla@gmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक कमल सिंह सेन द्वारा मातृवन्दना संस्थान के लिए सवितार प्रैस, PI-820, फेस-2, उद्योग क्षेत्र, चण्डीगढ़ से मुद्रित तथा डॉ. हेडगेवार भवन, नाभा हाउस, शिमला-171004 से प्रकाशित।
सम्पादक: डॉ. दयानंद शर्मा।
वैधानिक सूचना: पत्रिका का सम्पादकीय कार्य पूर्णत: अवैतनिक है। पत्रिका में छपी सामग्री से सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं। इस सम्बन्ध में किसी भी कार्यवाही का निपटारा शिमला न्यायालय में ही होगा।

रोहिंग्या शरणार्थी नहीं घुसपैठिए हैं. . .

भारत के विभाजन को पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना नें अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की कूटनीतिक साजिश से साकार किया और पाकिस्तान का अस्तित्व सामने आया। इस का परिणाम है कि जिन्ना को भारत विभाजन की शख्सीयत के रुप में जाना जाता है। जिन्ना ने कांग्रेस के साथ मिलकर स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दू - मुस्लिम एकता के समर्थक बन कर एक अग्रणी एवं प्रभावी नेता की छवि बनाई और मुस्लिम लीग के मसीहा बन कर उभरे।

सम्पादकीय	भारत विभाजन का गुनहगार	3
प्रेरक प्रसंग	एक गावं एक शमशान की पहल	4
चिंतन	मनन ही मन का कार्य	5
आवरण	जिन्ना जिन है या	6
संगठनम्	भारतीय शिक्षण मण्डल	10
देश प्रदेश	नौकरी मांगने की अपेक्षा	12
देवभूमि	आध्यात्मिक एवं दैवी भावना	14
पुण्य स्मरण	श्रद्धांजलि	17
संस्कृतम्	संस्कृतम् वदाम	19
दृष्टि	सेवा भारती बनी गरीबों	20
काव्य जगत	रिश्ते	21
कृषि	जैविक कृषि को बढ़ावा	22
स्वास्थ्य	नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार	23
महिला जगत	जीवंत और मजबूत राष्ट्र	24
प्रतिक्रिया	देश का वैश्विक छवि को	25
विश्वदर्शन	फेसबुक की चेतावनी-सुरक्षित	26
समसामयिकी	सरकार का ऐतिहासिक निर्णय	27
विविध	नारद जयन्ती के उपलक्षय पर	30
बाल जगत	जैसे को तैसा	31

पाठकीय

संपादक महोदय

पाठकों की जानकारी में वृद्धि करने वाली मौलिक साहित्यिक सामग्री से भरपूर मातृवन्दना के हिमाचल गौरव विशेषांक को प्रस्तुत करने के लिए मातृवन्दना संस्थान को बधाई। इसमें भारतीय नववर्ष को मनाने एवं काल गणना के विषय में प्रकाशित लेख अच्छा लगा। प्रथम पृष्ठ पर हिमाचल प्रदेश की छवि को उभारने वाले विभिन्न चित्रों का संग्रह भी मनमोहक एवं जानकारी देने वाला है। शहीदी दिवस पर प्रदेश भर में हुए कार्यक्रमों की जानकारी भी अच्छी लगी। मेरा सुझाव है कि हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक जिले के इतिहास के बारे में हर माह कुछ जानकारी के लिए अवश्य स्थान मिले तथा छायाचित्रों के कैप्शन भी लिखे जाएं तो अच्छा रहेगा। ❖ **जनकराज, छात्र विधि विभाग, हिप्र विवि,**

महोदय,

मैं मातृवन्दना का पिछले 12 वर्षों से नियमित पाठक हूं। आपने इस वर्ष के विशेषांक में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न महानुभावों के विषय में जो जानकारी पाठकों के सम्मुख प्रकाशित की है वह वास्तव में प्रशंसनीय है। अपने प्रदेश के समाज जीवन के विविध आयामों साहित्य, कला, पर्यटन व विविध आयामों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। साथ ही साथ हिमाचल प्रदेश के विषय में जानकारी में वृद्धि हुई। कुछ युवाओं ने औद्योगिक क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए हैं यह पढ़कर मन को अच्छा लगा। इसके अतिरिक्त अपने प्रदेश की युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे की लत को कम करने व इसके बढ़ते दुष्प्रभावों की रोकथाम के विषय में भी जानकारी प्रकाशित की जाए तो नशे की गिरफ्त में फंसती हुई युवा पीढ़ी को अवश्य ही लाभ होगा। ❖ **सुनील कुमार, ठियोग, शिमला।**

महोदय,

मैंने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में कुछ मातृवन्दना की सदस्यता की थीं। मान्यवर इन सब पत्रिकाओं में से कुल सात ऐसी पत्रिकाएं हैं, जो उनको व्यक्तिगत रूप से भेजनी हैं, क्योंकि वर्तमान माह से वे विश्वविद्यालय में उपलब्ध नहीं रहेंगे उनके पतों पर मातृवन्दना इस मास की भिजवा दें। अत: आपसे विनम्र निवेदन यह है कि उक्त पतों पर मातृवन्दना व्यक्तिगत रूप से भेजें एवं शेष मेरे पते पर ही भेजते रहें। ❖ **डॉ. विवेक शर्मा, हिप्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय**

शिकायत व सुझाव के लिए सम्पर्क करें

☎ 0177-2836990 ✆ 76500 00990

ई-मेल: matrivandanashimla@gmail.com

जून 2018 के शुभ लग्न

तिथि	समय	दिन	नक्षत्र
18 जून	05.27 से 26.47	सोमवार	मघा
21 जून	05.27 से 25.27	बृहस्पतिवार	हस्त
23 जून	05.28 से 15.32	शनिवार	स्वाति
25 जून	05.28 से 29.29	सोमवार	अनुराधा
27 जून	21.15 से 29.29	बुधवार	मूल
28 जून	05.29 से 12.22	बृहस्पतिवार	मूल

सभी सुधी पाठकों व विज्ञापनदाताओं को विश्व योग दिवस, महाराणा प्रताप व सन्त कबीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।

स्मरणीय दिवस (जून)

विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
एकादशी	10 जून
ईद-उल-फितर	16 जून
विश्व योग दिवस	21 जून
शिवाजी राज्याभिषेक दिवस	25 जून
महाराणा प्रताप जयंती	28 जून
संत कबीर जयंती	28 जून

भारत विभाजन का गुनहगार है जिन्ना

भारत के विभाजन को पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना नें अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की कूटनीतिक साजिश से साकार किया और पाकिस्तान का अस्तित्व सामने आया। इस का परिणाम है कि जिन्ना को भारत विभाजन की शख्सीयत के रुप में जाना जाता है। जिन्ना ने कांग्रेस के साथ मिलकर स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दू - मुस्लिम एकता के समर्थक बन कर एक अग्रणी एवं प्रभावी नेता की छवि बनाई और मुस्लिम लीग के मसीहा बन कर उभरे। उनकी इस छवि का पटाक्षेप तब हुआ जब उन्होंने पाकिस्तान की मांग रख कर हिन्दू और मुस्लिम को दो कौमों के नाम पर एक साथ न रहने की घोषणा की, जिसका जिक्र उन्होंने कोलकाता की डायरेक्ट एक्शन प्लान में किया। जिन्ना ने मनकी के पीर साहब को लिखी चिटठी में पाकिस्तान द्वारा पूर्ण शरियत को लागू करने की बात कही। जबकि स्वतंत्रता आंदोलन में हर धर्म, समुदाय, वर्ग एवं क्षेत्र के लोगों ने अपना योगदान किया था। स्वतंत्रता आंदोलन में सत्याग्रह से लेकर बलिदान देकर स्वतन्त्र भारत के सपने को अंग्रेजी हुकूमत को झुका कर साकार किया। स्वतन्त्रता आंदोलन के नायकों ने जनता का विश्वास जीतकर एकजुट होकर लड़ाई लड़ी। लेकिन जिन्ना का असली रूप भारत विभाजन में खलनायक की भूमिका से सामने आया। जिन्ना भारत विभाजन के खलनायक बने और हिन्दू- मुस्लिम एकता का उनका ढोंग विभाजन के भयावह परिणाम के रूप में सामने आया।

बड़ी संख्या में जनसंहार का दंश अनेकों परिवारों ने सहा। जिनकी स्वार्थी लालसा और अहम से भारत का विभाजन एक त्रासदी बनी। क्या भारतवासी इस त्रासदी की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि के घातक परिणामों का स्मरण कर जिन्ना की शख्सीयत को सम्मान देने की वकालत करने वालों को इसकी अनुमति देंगे। यह विवाद अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के यूनियन हॉल में सन 1938 में लगाई गई तस्वीर को हटाने पर सामने आया है। आज स्वतंत्र भारत के निवासी ऐसे विवादित लोगों की तस्वीर को हटाने की बात करते हैं तो तर्कसंगत है। मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग ने भी भारत में ही रहने का फैसला लिया। क्या यह समुदाय राष्ट्रवादी नहीं है? उनके लिए जिन्ना की तस्वीर क्या मायने रखती है? जिन्ना की तस्वीर को हटाने का विरोध अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी में जो हुआ उसकी भी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में भारत विभाजन के आन्दोलन में उसकी अग्रणी भूमिका रही है और अब तक उनकी सोच में बदलाव न होना कदापि राष्ट्रहित में नहीं है। जिन्ना जैसे विभाजक मानसिकता वाले लोगों को सम्मान देने वालों की वकालत करने वालों के मनसूबों पर से पर्दा उठाना जरूरी है। आज की पीढ़ी को इस तथ्य की विस्तृत जानकारी होना आवश्यक है। मातृवन्दना के इस अंक में यह जानकारी आवरण में प्रकाशित मौलिक लेखों से पाठक अवश्य ही लाभान्वित होंगे। भावी पीढ़ियों के लिए वर्तमान द्वारा सौंपी गई इतिहास की अमूल्य थाती निश्चित ही एक मुख्य धरोहर होगी और इसका परिणाम अवश्य ही राष्ट्रहित में होगा।

जो आरक्षण सबको चाहिए वह राजस्थान के डूंगरपुर के राजेश रोत ने छोड़ दिया

मेरे पिता जी रेलवे में थे उन्हें आरक्षण के चलते नौकरी मिली थी। तब हमें नौकरी की बहुत जरूरत थी। पिताजी रेलवे से क्लास वन अफसर पद से सेवानिवृत्त हुए। इस बीच मैंने इंजीनियरिंग की और आरक्षण का लाभ लेकर नौकरी पाई। आज मेरा परिवार सक्षम है, इसलिए अब मुझे किसी तरह के आरक्षण की जरूरत नहीं। मेरा मानना है कि आरक्षण उन लोगों को मिलना चाहिए जिनको इसकी जरूरत है। इसलिए मैंने आरक्षण का लाभ न लेने का फैसला किया है। ये कहना है भील समुदाय से आने वाले राजेश रोत का। मूल रूप से राजस्थान के डूंगरपुर के रहने वाले राजेश कांडला पोर्ट पर मैकेनिकल इंजीनियर हैं। राजेश वनवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

आज जब देश में आरक्षण के नाम पर राजनीति हो रही है। ऐसे में राजेश ने अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए आरक्षण न लेने का फैसला किया है। राजेश मानते हैं कि आरक्षण जब लागू किया गया था उस समय इसका उद्देश्य उन लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना था जो सामाजिक विसंगतियों के कारण पिछड़ गए थे। लेकिन आज जब उसी वर्ग में जो लोग सक्षम हो चुके हैं तो उन्हें आरक्षण लेने की जरूरत नहीं है।

वे कहते हैं कि बाबा साहेब आंबेडकर ने जिस समाज को समरस बनाने के लिए अथक प्रयास किए उस समरसता को आज कुछ राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए खंडित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सत्ता पाने के लिए आरक्षण के लिए जो हो रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। राजेश बताते हैं कि मेरे दो बेटे हैं, देव और सोहम। देव बारहवीं

– राजेश रोत

कक्षा में और सोहम चौथी कक्षा में है। मैं मानता हूं कि जब मेरे बेटे कॉलेज की पढ़ाई करें तो वह प्रवेश में आरक्षण का सहारा बिल्कुल न लें। इसलिए मैंने दोनों बच्चों के जाति प्रमाणपत्र ही नहीं बनवाए। मैंने अपने दोनों बच्चों को सक्षम बनाने और बिना किसी सहारे के अपने पैरों पर खड़ा होने की शिक्षा दी है। मेरा परिवार साधन संपन्न है। और अब हमें आरक्षण की जरूरत नहीं है। जब जरूरत थी, तब हमने उसकी सुविधा ली। अब जबकि मैं और मेरा परिवार हर तरह से सुखी है तो मुझे और मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को आरक्षण की जरूरत नहीं है। रोत कहते हैं मैंने अपने दोनों बच्चों को भी यही सिखाया कि इतने काबिल बनो कि लोग तुम्हें तुम्हारी काबिलियत की वजह से जानें।❖ **व्हाट्सएप संदेश से**

एक गांव एक श्मशान की पहल. . .

देहरा के हरीपुर के सुरेन्द्र भूरिया पेशे से बीमा अभिकर्ता हैं वर्षों से मन में कुछ अलग करने की ललक थी। अस्पृश्यता व समरसता के लिए लोग भाषण तो बहुत देते हैं, एक-दूसरे को कसूरवार व आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं, दूसरे को नसीहत देते हैं। काफी सोच-विचार के बाद गांव के श्मशान को एक करने की योजना ध्यान में आई और इस हेतु गांव के अनुभवी लोगों से चर्चा हुई। दो-तीन बन्धुओं ने लगभग एक लाख रुपये की राशि भी एकत्रित कर ली और निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया। कुछ ही महीनों में वहां एक श्मशान तैयार हो गया। आज वहां गांव की सभी जातियों व उपजातियों के बन्धुओं को दाह-संस्कार के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़ता है।❖ **सूत्रों से प्राप्त**

मनन ही मन का कार्य

-डा.अशोक आर्य

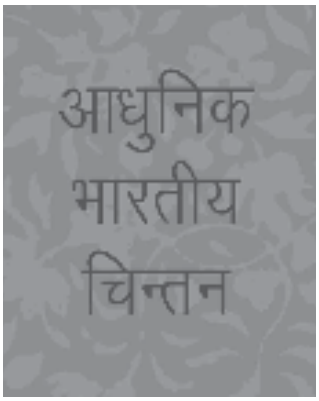

मानव का मन ही उसके सब क्रिया कलापों का आधार है। शुद्ध व पवित्र-मन से सब कार्यक्रम होते हैं तथा जिसका मन अशुद्ध होता है, जिसका मन अपवित्र होता है उसके कार्य भी अशुद्ध व अपवित्र ही होते हैं। मानव का मुख्य उद्देश्य भगवद प्राप्ति है, जो शुद्ध मन से ही संभव है। सब प्रकार के ज्ञान प्राप्ति का स्रोत भी शुद्ध मन ही होता है। मानव में विवेक की जाग्रति का आधार भी मन की शुद्धता ही होता है। यह शुद्ध मन ही होता है, जिससे शुद्ध कार्य होता है तथा उसके द्वारा किये जा रहे शुद्ध कार्यों के कारण उसकी मित्रमंडली में उत्तमोत्तम लोग जुड़ते चले जाते हैं। यह सब मित्र ही उसकी ख्याति, उसकी कीर्ति, उसके यश को सर्वत्र पहुँचाने का कारण होते हैं। अथर्ववेद के प्रस्तुत मन्त्र में इस विषय पर ही चर्चा की गयी है:- **खं मनसा सं कल्पयति, तद देवाः अपि गच्छति। अथो, ब्राह्मणो वशाम, उपप्रयान्ति याचितुम॥**' मन से ही मनुष्य संकल्प करता है। वह मन देवों अर्थात् ज्ञानेन्द्रियों तक जाता है। इसलिए विद्वान लोग बुद्धि को माँगने के लिए देवों अर्थात गुरु के पास जाते हैं। इस मन्त्र में बताया गया है कि मन का मुख्य कार्य मनन है, चिंतन है, सोच-विचार है।

जब मानव अपना कार्य पूर्ण चिंतन से, पूर्ण मनन से, पूर्ण रूपेण सोच-विचार कर करता है तो उसे सब प्रकार की सफलताएं, सब प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। इन सुखों को पाकर मनुष्य की प्रसन्नता में वृद्धि होती है तथा उसकी आयु भी लम्बी होती है। यह मनन व चिंतन मन का केवल कार्य ही नहीं है अपितु मन का धर्म भी है। जब हम कहते हैं कि यह तो हमारा कार्य था जो हम ने किया किन्तु कार्य में मानव कई बार उदासीन होकर उसे छोड़ भी बैठता है। मनन-चिंतन पूर्वक जो भी कार्य किया जाता है, उसकी सफलता में कुछ भी संदेह नहीं रह जाता। मनन-चिंतन से उस कार्य में जो भी न्यूनताएं दिखाई देती हैं, उन सब का निवारण कर, उन्हें दूर कर लिया जाता है। ज्ञानेन्द्रियों को मन का भोजन भी कहा जा सकता है। जब तक किसी कार्य को करने सम्बन्धी ज्ञान ही नहीं होगा तब तक उस कार्य की सम्पन्नता में, सफलता पूर्वक पूर्ति में संदेह ही बना रहेगा। जब तक मानव की क्षुधा ही शांत न होगी तब तक वह कोई भी कार्य करने को तैयार नहीं होता। अतः मन का भोजन ज्ञान है, जिसे पा कर ही वह उस कार्य को करने को अग्रसर होता है। इस लिए ज्ञानेन्द्रियों को मन का भोजन कहा है। इन ज्ञानेन्द्रियों से मन दो प्रकार का सहयोग प्राप्त करता है। प्रथम तो ज्ञानेन्द्रियों के सहयोग से मन वह सब सामग्री एकत्रित करता है, जो उस कार्य की सम्पन्नता में सहायक होती है दूसरा इस सामग्री को एकत्र करने के पश्चात प्रस्तुत सामग्री को किस प्रकार संगठित करना है, किस प्रकार जोड़ना है तथा किस प्रकार उस कार्य की सपन्नता के लिए उस सामग्री का प्रयोग करना है, यह सब कुछ भी उसे मन ही बताता है। अतः बिना सोच विचार, चिन्तन-मनन, मन व मार्ग दर्शन के मन कुछ भी नहीं कर पाता, चाहे इस निमित्त उपयुक्त सामग्री उसने प्राप्त कर ली हो।

अतः किसी भी कार्य को संपन्न करने के लिए साधन स्वरूप सामग्री का एकत्र करना तथा उस सामग्री को संगठित कर उस कार्य को पूर्ण करना ज्ञानेन्द्रियों का कार्य है। इस जगत में परमपिता परमात्मा ने अनेक प्रकार के फल, फूल, नदियाँ नाले, जीव जंतु, स्त्री पुरुष को बनाया है, पैदा किया है, उत्पन्न किया है। इन सब के सम्बन्ध में मन जो कुछ भी देखता व सुनता है, वह सब देखने व सुनने के पश्चात ज्ञानेन्द्रियों के पास जाता है। मन द्वारा कुछ भी निर्णय लेने के लिए जब यह सब सामग्री, सब दृश्य बुद्धि को दे दिये जाते हैं तो बुद्धि सब को जांच, परख कर जो भी निर्णय लेती है, वह उस निर्णय से मन को अवगत करा देती है।❖

जिन्ना, जिन है या हमारे जीन में है

-राकेश सैन

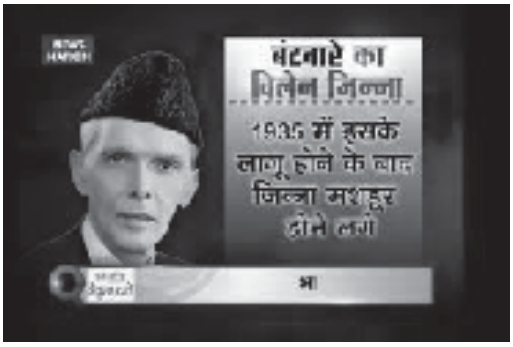

क्षयरोग से पीड़ित पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना से जब वहां के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान मिलने आए तो उनके जाने के बाद जिन्ना ने अपनी बहन फातिमा जिन्ना से पूछा कि-जानती हो फातिमा वजीर-ए-आजम क्या देखने आए थे? इस पर फातिमा पशोपेश में पड़ गई। जिन्ना ने खुद ही जवाब दिया कि-वे देखने आए थे कि मैं मर गया हूं या नहीं। कहने को तो इस घटना के कुछ समय बाद ही 11 सितंबर, 1948 को टीबी के मरीज जिन्ना की मौत हो गई, लेकिन यदाकदा भारत जैसे प्राचीन राष्ट्र को बांटने और लाखों हत्याओं के लिए जिम्मेवार पाकिस्तानी कायदे आजम की रुह कबर से बाहर आ ही जाती है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में जिन्ना को लेकर मारामारी चल रही है और टकराव में कई विद्यार्थी घायल हो चुके हैं। दुखद आश्चर्य है कि जिन्ना जैसे व्यक्ति को लेकर भी देश में दो विचार देखने को मिल रहे हैं, एक विपक्ष में तो दूसरा पक्षधर है। पता नहीं चल पा रहा है कि जिन्ना जिन हैं या हमारे जीन में हैं जो लाखों लाशें बिछाने, देश के टुकड़े करवाने और करोड़ों लोगों को घर से बेघर करने के बाद भी देश का पीछा ही नहीं छोड़ रहा है।

जिन्ना को लेकर ताजा विवाद उस समय पैदा हुआ जब अलीगढ़ से भाजपा सांसद सतीश गौतम ने विश्वविद्यालय के कुलपति तारिक मंसूर को पत्र लिख कर वहां जिन्ना की तस्वीर लगे होने पर स्पष्टीकरण मांगा। सांसद ने लिखा है कि अगर वे विश्वविद्यालय में कोई तस्वीर लगाना चाहते हैं तो वे महेंद्र प्रताप सिंह जैसे लोगों की तस्वीर लगाएं, जिन्होंने विश्वविद्यालय के लिए जमीन दान में दी। इस पर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी सैफी किदवई ने कहा कि जिन्ना 1938 में विश्वविद्यालय आए। उन्हें यहां के छात्र संघ द्वारा कई अन्य लोगों की तरह मानद उपाधि दी गई। छात्रसंघ एक स्वतंत्र संस्था है जिसने 1920 में आजीवन सदस्यता की शुरुआत की थी। तब महात्मा गांधी और जिन्ना को भी सदस्यता मिली, तभी वहां जिन्ना की तस्वीर लगाई गई। छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष फैजुल हसन ने कहा कि देश बंटवारे से पहले 1938 में जिन्ना की तस्वीर लगाई गई थी। साथ ही उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी में जिन्ना पर कोई पाठयक्रम नहीं पढ़ाया जाता है न ही कोई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने सांसद से भी सवाल कर दिया कि अभी तक संसद भवन में से जिन्ना की तस्वीर क्यों नहीं हटाई गई है? छात्रसंघ के वर्तमान अध्यक्ष मशकूर अहमद उस्मानी ने जिन्ना को अविभाजित भारत का नायक बताया।

यह हमारी लापरवाही है या अलगाववाद से लगाव कि देश के खलनायक माने जाने वाले जिन्ना की तस्वीरें आज भी कई जगहों पर लगी हैं। मुंबई के इंडियन नेशनल कांग्रेस के कार्यालय में 1918 से जिन्ना की तस्वीर लगी हुई। मुंबई में जिन्ना हाउस भी है। 'जिन्ना ऑफ पाकिस्तान' के लेखक स्टैनले वॉल्पर्ट लिखते हैं- 'जब पहला विश्वयुद्ध खत्म हुआ तो बॉम्बे के राज्यपाल का कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें विदाई पार्टी दी जा रही थी। तब जिन्ना इसके विरोध में जनता को सडकों पर लाए। हिंदू-मुस्लिम सब साथ आए। तकरीर हुई कि क्यों अंग्रेजों का विरोध होना चाहिए। तब जिन्ना के लिए 6500 रुपये चंदा किया गया और एक हॉल' बनाया गया। इस हॉल का नाम है पीपुल्स ऑफ जिन्ना हॉल। ये हॉल आज

भी मौजूद है। जिन्ना की तस्वीर को सीने से लगाने वाले भूल रहे हैं कि विभाजन के तुरंत बाद ही लाहौर के पितामह कहे जाने वाले सर गंगाराम, शेर-ए-पंजाब लाला लाजपत राय की प्रतिमाओं को लाहौर के चौराहों से 1947 में ही हटा दिया गया था। वहां महात्मा गांधी की प्रतिमा को भी भारतीय उच्चायोग में स्थानांतरित करना पड़ा। ये तीनों नेता वे थे जिन्होंने न तो विभाजन का किसी तरह समर्थन किया, न ही अपने कार्यों से किसी के साथ सांप्रदायिक विभेद और सारा जीवन संयुक्त भारत की सेवा में खपा दिया जिसका कि किसी समय एक हिस्सा पाकिस्तान भी था। इसके बावजूद वहां की सरकारों ने इन महापुरुषों की प्रतिमाओं को अपने यहां स्थान देना उचित नहीं समझा तो हमें क्या मजबूरी है कि देश के खलनायक की तस्वीर छाती पर ठोक कर रखें।

हर तस्वीर व प्रतिमा का अपना मनोविज्ञान होता है। बचपन में कृष्ण जी की मोहक तस्वीर ने मीरा को उनकी अमर दीवानी बना दिया। तस्वीर या प्रतिमा अपने प्रति देखने वाले के मन में आकर्षण पैदा करती है, यही आकर्षण सम्मान में परिवर्तित होता है। यही कारण है कि महापुरुषों की तस्वीरें या प्रतिमाएं जगह-जगह स्थापित की जाती हैं। इसी आकर्षण से वह व्यक्ति उस महापुरुष के विचारों से प्रभावित होता है। यह मनोविज्ञान ठीक-ठीक उसी विज्ञापन की तरह है जिस तरह कोई व्यक्ति सड़क किनारे चलते हुए हर रोज दीवार पर बंदरछाप मंजन का विज्ञापन पढ़ता है और जब वह कभी मंजन खरीदने जाता है तो उसके मुंह से बंदरछाप ब्रांड ही निकलता है। चित्र की पूजा करते-करते व्यक्ति कब संबंधित महापुरुष के चरित्र को पूजने लगता है उसे पता ही नहीं चलता। मीरा के अतिरिक्त भी इतिहास में इसके अनेकों उदाहरण हैं। इतिहास के रूप में जिन्ना को भुलाया नहीं जा सकता परंतु देश को किसी भी सूरत में न तो उनके चित्र की जरूरत है और न ही चरित्र की। जिन्ना की तस्वीर के समर्थकों का कहना है कि विभाजन का अंश निकाल दिया जाए तो जिन्ना एक महान क्रांतिकारी थे। अगर इस तथ्य को आधर बनाया जाए तो हमें रावण और नाथूराम गोड़से जैसे अनेकों नकारात्मक चरित्रों के बारे में भी वैचारिक दृष्टिकोण बदलना पड़ेगा, क्योंकि सीताहरण प्रकरण रावण के जीवन से हटा दिया जाए तो रावण भी महाज्ञानी और गांधीजी की हत्या को न गिना जाए तो गोड़से भी तो एक क्रांतिकारी ही था। इतिहास किसी के व्यक्तित्व का विश्लेषण खण्डों में नहीं बल्कि समग्रता में करता है। जिन्ना की जीवनी का उपसंहार यही है कि वह देश को तोडने वाले व्यक्ति थे और उनकी महाजिद्द के चलते ही भारत विभाजन जैसी दुनिया की सबसे बड़ी मानवकृत त्रासदी इतिहास में संभव हो पाई। ❖

Dr. Hem Raj Sharma

Specialist in Kshar Sutra Therapy
(Piles, Fistula, Anal Polyps, Prolapse Rectum, Pilonidal Sinus)
Formerly Incharge Medical Officer,
DAH Una, Govt. of Himachal Pradesh
NATIONAL CHIKITSAK GURU

RAV (National Academy of Ayurved) New Delhi
Under Ministry of Health & Family Welfare, Deptt. of Ayush, Govt. of India.
B.Sc. HPU Shimla, GAMS, MD, University Rohtak, PGD Health & Family welfare, Punjab Uni. Chandigarh CC. Yog & Naturalpathy, Gujrat University, Jamnagar, CRAV Kshar-Sutra Specialisation, New Delhi

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः"

JAGAT HOSPITAL
&
Kshar Sutra Centre

Near Govt. College, Nangal Road, Una (H.P.)
Pin : 174303
94184-88660, 88940-68358, 94593-88323

राष्ट्रवाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र पर चर्च का हमला

– लोकेन्द्र सिंह

यह विचार करने की बात है कि चर्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार से क्या दिक्कत हो रही है कि पादरियों ने सियासी पत्राचार प्रारंभ कर दिया है। ईसाई संप्रदाय में प्रमुख स्थान रखने वाले आर्कबिशप (प्रधान पादरी)भाजपा सरकार के विरूद्ध खुलकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। सबसे पहले गुजरात चुनाव में आर्कबिशप थॉमस मैकवान ने चिठ्ठी लिखकर ईसाई समुदाय के लोगों से अपील की थी कि वे गुजरात चुनाव में 'राष्ट्रवादी ताकतों' को हराने के लिए मतदान करें। इसके बाद मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में भी भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए चर्च सक्रिय हुआ। कर्नाटक भी चर्च की राजनीति से अछूता नहीं रहा। अब दिल्ली के आर्कबिशप अनिल काउटो ने राजधनी के सभी चर्च के पादरियों को पत्र लिखकर अपील की है- 'अपने देश और इसके नेताओं के लिए हर समय प्रार्थना करना हमारी पवित्र प्रथा है, लेकिन जब हम आम चुनावों की तरफ बढ़ते हैं तो यह प्रार्थना बढ़ जाती है। अगर हम 2019 की ओर देखें तो तब हमारे पास नई सरकार होगी और चलिए हम अपने देश के लिए प्रार्थना शुरू करते हैं।'

आर्कबिशप के इस पत्र पर राजनीति प्रारंभ हो गई है, जो कि स्वाभाविक ही है। जब खुलकर चर्च सियासत करेगा, तो राजनीतिक चर्चा तो होनी ही है। किंतु, आश्चर्य की बात यह है कि पादरी की चिठ्ठी पर वह लोग बचाव की मुद्रा में खड़े हैं, जो धर्म को राजनीति से दूर रखने की वकालत करते हैं। कथित प्रगतिशील बुद्धिजीवियों और राजनीतिक टिप्पणीकारों ने चर्च की सियासत पर एकदम से मुँह सिल लिया है। उनमें से कुछ बोल भी रहे हैं, तो चर्च के समर्थन में। वह इस चिठ्ठी को सामान्य बता रहे हैं। जबकि आर्कबिशप की यह चिठ्ठी सीधे तौर पर सियासत में धार्मिक हस्तक्षेप को प्रोत्साहित कर रही है। सोचिए, यदि ऐसी ही कोई चिठ्ठी किसी हिंदू धर्म के प्रमुख ने लिख दी होती, तब कैसा हंगामा खड़ा होता? जो लोग आज चर्च की राजनीति को आड़ दे रहे हैं, वही हिंदू धर्म की धज्जियां उड़ा रहे होते। हिंदू धर्म पर टीका-टिप्पणी करने के लिए वह सदैव अवसर की ताक में बैठे रहते हैं। किंतु, जैसे ही बात दूसरे धर्म की आती है, सेक्युलर जमात मुँह में दही जमा कर बैठ जाती है। बात ईसाइयत और चर्च की निंदा करने की नहीं है, बल्कि राजनीति में इस प्रकार के सीधे हस्तक्षेप को रोकने की है।

आर्कबिशप अनिल आउटो ने अपने पत्र में भारत की राजनीतिक स्थिति को अशांत बताया है। काउटो ने लिखा है कि मौजूदा अशांत राजनीतिक माहौल संविधान में निहित हमारे लोकतांत्रित सिद्धांतों और हमारे देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के लिए खतरा बन गया है। काउटो के पत्र की यह भाषा सीधे तौर पर वर्तमान भारत सरकार, भारतीय पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र पर हमला है। आखिर पंथनिरपेक्ष ताने-बाने पर कौन-सा खतरा आ गया है? नई सरकार के आने के बाद से माना जा रहा है कि धर्मांतरण की प्रक्रिया में चर्च को बाधा आ रही है। भारत के वनवासी क्षेत्रों में रहने वाले भोले-भाले हिंदुओं का धर्मांतरण अब चर्च के लिए कठिन हो रहा है। क्या इसलिए चर्च को पीड़ा हो रही है? प्रश्न यह भी है कि आर्कबिशप 2019 में 'नई सरकार' लाने के लिए प्रार्थना और उपवास किसके कहने पर प्रारंभ कर रहे हैं? क्या इसके पीछे राजनीतिक ताकतों का हाथ है या वेटिकन सिटी का हस्तक्षेप। भारत में इन बिशपों की नियुक्ति सीधे पोप करते हैं। यह बिशप पोप के प्रति जवाबदेह होते हैं। इसलिए माना जा सकता है कि पोप के

कहने पर भारत के आर्कबिशपों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी ताकतों को हराने की योजना पर काम करना प्रारंभ किया है। अब इसमें भी विचार करने को दो प्रमुख प्रश्न मन में आते हैं। पोप की क्या रुचि है? पोप यानी चर्च, क्यों राष्ट्रवादी ताकतों को हरा कर अपने मनमुताबिक नई सरकार लाना चाहता है? एक, क्या मतांतरण भर पोप की चिंता है? दो, क्या चर्च भारत के राजनीतिक दलों के आग्रह पर ईसाई वोट का ध्रुवीकरण कर रहा है?

देश का एक प्रमुख राजनीतिक दल है, जिसके मुखिया के तार चर्च से जुड़ते हैं। यह आशंका इसलिए है क्योंकि आर्कबिशप की यह चिठ्ठी ऐसे समय में आई है, जब एक विशेष दल को रोकने के लिए अनेक प्रकार के प्रयास चल रहे हैं। विरोधी राजनेता यह जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के विजयी रथ को थामने के लिए हिंदू मत को विभाजित करना और बाकी के संप्रदायों के मत का ध्रुवीकरण करना आवश्यक है। कर्नाटक चुनाव के दौरान कांग्रेस सरकार के मंत्री डॉ. एमबी पाटिल का एक पत्र मीडिया के माध्यम से सामने आया। यह पत्र उन्होंने जुलाई, 2017 में कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखा गया था। पत्र में डॉ. पाटिल ने स्पष्ट लिखा है कि भाजपा को हराना है तो 'हिंदुओं को तोड़ना होगा।' साथ ही, ईसाइयों और मुसलमानों को धार्मिक भावनाओं के आधार पर एकजुट करना होगा। उन्होंने सोनिया गांधी को लिखा है कि हिंदुओं को बाँटने और ईसाई-मुस्लिम को अपने पक्ष में करने का प्रयास उन्होंने प्रारंभ कर दिया है।

इसमें कर्नाटक कांग्रेस ने 'ग्लोबल क्रिश्चियन कॉउंसिल' और 'वर्ल्ड इस्लामिक आर्गेनाईजेशन' से मदद ली है। पाटिल ने लिखा है कि हिंदुओं को जाति (पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति) और धर्म में बाँट कर उसे कमजोर किया जा सकता है। कर्नाटक चुनाव में देश ने देखा भी कि किस प्रकार कांग्रेस ने हिंदुओं को जाति और धर्म 'लिंगायत समुदाय को अलग धर्म की मान्यता' के आधार पर बाँट कर कमजोर करने का प्रयास किया। 'बाँटो ओर राज करो' की नीति का लाभ भी कांग्रेस को मिला है। संभव है कि चर्च की मदद से वह अपनी आगे की राह को सुगम करना चाहती है।

बहरहाल, जो भी हो, अब जब चर्च खुलकर राजनीति के मैदान में उतर आया है, तब देखना होगा कि हिंदू समाज क्या विचार करता है? मतदान के संदर्भ में उसकी विचार प्रक्रिया पर पादरी की चिठ्ठी सियासत का क्या असर होगा? बहरहाल, चुनाव आयोग और समाज के प्रबुद्ध वर्ग को भारतीय लोकतंत्र में चर्च के अनुचित हस्तक्षेप और उसकी राजनीतिक गतिविधि पर संज्ञान लेना चाहिए। यह भारतीय संविधान और न्यायालय की भी अवमानना है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी धार्मिक नेता अपने समुदाय के लोगों को किसी उम्मीदवार या पार्टी के समर्थन या विरोध में मतदान करने के लिए नहीं कह सकता। किंतु, यहाँ चर्च का आचरण भारत के संविधान के विरूद्ध है। यहाँ पादरी की चिठ्ठी से चर्च की नीयत भी उजागर हुई है।❖

SHIVALIK HOSPITAL
Near Police Lines, Jhalera, Una (H.P.)
Mob.: 98059-33644
Dr. Akshay Sharma
MBBS (MAMC Delhi) (Gold Medalist)
MS (MAMC Delhi) Regd. MCI-7841
General & Laproscopic Surgeon
Ex. Senior Registrar LNJP &
GB Pant Hospital New Delhi
Dr. Anupma Sharma
MBBS, MD (PGI Chandigarh)
SKIN SPECIALIST
Regd. PMC-28190
Facilities Available: General & Specialist OPD, Indoor Admission Facilities, Fully equipped Operation Theatre, All Major & Minor Operations, Laproscopic Gall bladder Removal, Nebulization therapy for Asthma, ECG/X-Ray, Blood Tests.

भारतीय शिक्षण मण्डल का अभ्यास वर्ग सम्पन्न

19-5-2018 को शिमला स्थित हिमरश्मि सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर में भारतीय शिक्षण मंडल के शैक्षिक प्रकोष्ठ 'हिमाचल ईकाई' द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग का शुभारंभ प्रात: 9 बजे पंजीकरण के बाद प्रारंभ हुआ। जिसमें प्रो.एस.पी. बंसल उपकुलपति इन्दिरा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अध्यक्षता कर उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई।

बनवारी लाल भाटिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बी. एस.एम. और मुकुल कानितकर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ने अपना आशीर्वचन और भारतीय शिक्षण मंडल का इतिहास व अब तक का विकास विस्तृत रूप से बताया। इस सत्र में प्रो. कुलभूषण ने हिमाचल प्रांत इकाई का संक्षिप्त परिचय दिया। उद्घाटन सत्र के उपरान्त अल्पाहार के बाद प्रथम सत्र में मुकुल कानितकर 'सा विद्या या विमुक्तये' विषय पर प्रतिभागियों को अपने उद्बोधन से लाभान्वित किया।

इस पर भी प्रकाश डाला कि क्यों सन 1992 में शिक्षक महासंघ को अलग कार्य सौंपा गया। उद्घाटन सत्र में कुलभूषण चंद्र, प्रांत सह संयोजक हि.प्र. तथा अन्य शिक्षण मंडल के हिप्र के अन्य सदस्य व विद्वतजन उपस्थित थे। अंत में श्री बी. आर. ठाकुर शैक्षणिक प्रकोष्ठ प्रमुख हि.प्र. ने सभी का आभार व्यक्त किया। ❖

भारतवर्ष की सर्वांग स्वतंत्रता

वरिष्ठ पत्रकार श्री नरेन्द्र सहगल ने हाल ही में लिखी अपनी नई पुस्तक युग प्रवर्तक स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर हेडगेवार का अंतिम लक्ष्य ''भारतवर्ष की सर्वांग स्वतंत्रता'' में संघ विरोधी स्वार्थी तत्वों को तथ्यपरक उत्तर दिया है। पुस्तक के लेखक ने प्रमाणों सहित ब्यौरा दिया है कि संघ संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार तथा संघ के स्वयंसेवकों ने सशस्त्र क्रांति से लेकर प्रत्येक अहिंसक सत्याग्रह में अग्रणी भूमिका निभाई थी। अपने तथा संगठन के नाम से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में संघ के स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में आयोजित सभी आंदोलनों में बढ़-चढ़ कर भागीदारी की थी। स्वयं डॉक्टर हेडगेवार ने 2 बार लम्बे कारावास में यातनाएं भोगी थी।

बोलचाल की सरल भाषा में लिखी गई 270 पृष्ठों की इस पुस्तक के 17 अध्यायों में सर्वांग स्वतंत्रता की सम्पूर्ण कल्पना को स्पष्ट किया गया है। ❖

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की शिमला इकाई का गठन

साहित्य के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था अखिल भारतीय साहित्य परिषद की शिमला इकाई का गठन किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय वित्त मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की सदस्य और साहित्य परिषद हि.प्र. की अध्यक्ष डॉ. रीता सिंह ने साहित्य परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने आए हुए प्रतिनिधियों से साहित्यिक गतिविधियों को गति देने के लिए प्रयत्न करने हेतु आग्रह किया। इस अवसर पर के.आर.भारती, से नि. आईएएस अधिकारी को शिमला इकाई अध्यक्ष, मृदुला श्रीवास्तव व डॉ. अनुराग विजयवर्गीय उपाध्यक्ष, डॉ. दिनेश कंवर महामंत्री, डॉ. किमी सूद सह सचिव, आरती गुप्ता प्रैस सचिव, डा. योगराज, डॉ कल्पना भट्ट व सुनील शुक्ला सदस्य मनोनीत किये गये। साथ ही आगामी कार्यक्रमों के विषय पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर मीनाक्षी सूद, परिषद के अन्य सदस्य व शिमला शहर के अन्य कई गणमान्य भी उपस्थित रहे।❖

मानवाधिकार रक्षा मंच का धरना

10 मई को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की 161वीं वर्षगांठ के अवसर पर शिमला के विविध धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मानवाधिकार रक्षा मंच हिमाचल प्रदेश के बैनर तले शिमला उपायुक्त कार्यालय के समीप पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के 07 मई को बद्दी में आपसी रंजिश में हुई एक हत्या का आरोप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगाने के विरोध में एक विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया।

इस धरना-प्रदर्शन में मानवाधिकार रक्षा मंच के प्रदेश अध्यक्ष से. नि. आईएएस के.सी. कपूर, संयोजक से. नि. एडीजीपी के. सी. सडयाल, सहसंयोजक जे. सी. राणा से.नि.आईएएस मंच की सचिव अति.महाधिवक्ता रीता गोस्वामी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिमाचल प्रांत संघचालक डॉ. वीरसिंह रांगड़ा, प्रांत प्रचारक संजीवन कुमार, विहिप के नीरज दौनेरिया, बजरंग दल संयोजक डॉ. राजेश शर्मा, अग्रसेन मित्र मंडल के आशुतोष कुमार ने धरने प्रदर्शन में उपस्थित शिमला शहर के विविध संगठनों के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिमाचल प्रांत संघचालक डॉ. वीरसिंह रांगड़ा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि मानसिक दिवालिया हो गये कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुखविन्द्र सिंह सुक्खू और पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह घृणित राजनीतिक पर उतर आए हैं और राजनीतिक स्वार्थ के लिए साजिशन उल-जुलूल बयानबाजी कर सामाजिक व राष्ट्रीय संगठनों को बदनाम कर रहे हैं और तथ्यहीन आरोप राष्ट्रवादी संगठन पर लगा रहे हैं। अब जबकि मामले की जांच चल रही है तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुखविन्द्र सिंह सुक्खू और पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को सूझ-बूझ पूर्ण तथा जानकारी के आधार पर ही संघ के बारे में कुछ बयान देना चाहिए।

इस मामले में समय से पहले कुछ कहना अपरिपक्वता होगी तो उस पर आधारहीन आरोप लगाना व छवि को धूमिल करने पर संघ न्यायालय में मानहानि का दावा ठोकेगा जिसके लिए वे तैयार रहें। अगर इन नेताओं में इतनी हिम्मत है तो आरोप सिद्ध कर बताएं नहीं तो न्यायालय में मानहानि के मुकद्दमें का सामना करने को तैयार रहें।❖

नौकरी मांगने की अपेक्षा नौकरी देने वाले बनेंगे तभी अंबेडकर और गांधी का सपना होगा पूरा

-आलोक कुमार

स्वातंत्र्य वीर लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित पंजाब नेशनल बैंक के ऋण वितरण समारोह में बैंक के वरिष्ठ अधिकारी खड़े हैं और दिल्ली के स्लम व जे.जे क्लस्टर के निवासी कुर्सी पर बैठे हैं यह अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेशनल सेंटर में हो रहे समारोह की सफलता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली प्रांत सह संघचालक श्री आलोक कुमार ने यहां प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक के ऋण वितरण समारोह में यह बात कही। उन्होंने इस अवसर पर बताया कि वोट देने से राजनीतिक समानता आती है लेकिन राजनीतिक समानता से समरसता नहीं आती। आर्थिक समानता, शैक्षणिक समानता और प्रत्येक मनुष्य की गरिमा भी आवश्यक है समाजिक समरसता के लिए, जिसे सारे देश को करना होगा। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लक्ष्य ही यही है कि नौकरी मांगने की अपेक्षा हम नौकरी देने वाले बनेंगे तभी बाबा साहेब अंबेडकर और महात्मा गांधी का सपना पूरा होगा।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि व्यक्ति स्वावलंबी बने, स्वयं नौकरी के लिए भटकने से अच्छा है वह इस योजना का लाभ लेकर स्वयं का उद्यम स्थापित करके अपने साथ 4 और लोगों को रोजगार दे। उत्पादन कार्य ही देश के विकास के लिए सहायक है। उद्यम स्थापित कर के अपना विकास उसके साथ समाज और देश का विकास होगा और मान सम्मान भी बढ़ेगा। उन्होंने बैंक अधिकारियों को बताया कि सरल, उदार और सदव्यवहार से पूर्ण होना चाहिए बैंक। बैंक का व्यवहार और कार्यप्रणाली मानवीय और व्यवहारिक होनी चाहिए। इस समारोह में दिल्ली के 511 लोगों को पंजाब नेशनल बैंक द्वारा अपने उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण सुविधा दी गई है। देश भर में 1.5 लाख लोगों का इस योजना के तहत कौशल विकास किया गया और 7.5 लाख लोगों को उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध करवाई गई, जिसमें गारंटी तथा प्रॉपर्टी गिरवी रखना आवश्यक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायधीश श्री के.जी. बालाकृष्णन ने बताया कि यह योजना जे.जे. क्लस्टर क्षेत्र के निवासियों को स्वालम्बी बनाने के लिए शुरु की गई है।

पंजाब नेशनल बैंक के निदेशक श्री महेश बाबू गुप्ता ने बताया कि किसी भी देश की उन्नति बैंकों के बिना सम्भव नहीं। बैंक का पैसा लोगों का होता है सरकार का नहीं। सरकार इसमें सबसे बड़ी (शेयरधारी) होती है इसलिए लोगों को लगता है कि बैंक सरकारी हैं। हाल में चर्चित हुए बैंक ऋण से सम्बंधित मामले से लोगों में उत्पन्न भ्रम को दूर करते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि भारत में एक भी व्यक्ति का डिपोजिट डूब नहीं सकता, चाहे वह प्राइवेट बैंक ही क्यों न हों। जब तक सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक है देश का कोई बैंक फेल नहीं हो सकता।❖

Bharat Petroleum

With best Compliments From:

Sh. Ved Prakash Mittal
G.M.

Mandi	Ner Chowk
Tel.: 01905 235169	Tel.: 01905 242127
Sunder Nagar	**Joginder Nagar**
Tel.: 01907-266078	Tel.: 01908-222051

हिमाचल का होनहार

24 वर्ष की उम्र में बना आईएएस, सेल्फ स्टडी से पाया देश में 32वां स्थान- सुन्दरनगर के पुराना बाजार निवासी अभिषेक वर्मा आईएएस बन गए हैं। उसने यह मुकाम मात्र 24 वर्ष की उम्र में पाया है। वह जिले के पहले ऐसे छात्र बन गए हैं जिन्होंने पहली बार सिविल सेवा परीक्षा में अब्बल रैंक हासिल करके नया आयाम स्थापित किया है। परीक्षा में उन्हें ऑल इण्डिया 32 वां स्थान मिला है जबकि गत वर्ष उन्हें 961 वां स्थान हासिल हुआ था जिसके आधार पर उनकी नियुक्ति इण्डियन ऑडिट एंड एकॉउंट सर्विस में हुई थी। आजकल शिमला में ही उनकी ट्रेनिंग चल रही है। इस बीच उन्होंने अपना प्रयास जारी रखा और बिना किसी कोचिंग के 7-8 घंटे नियमित अध्ययन से ही मात्र दूसरे प्रयास में यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा में 32 वां स्थान झटक लिया।❖

सतलुज नदी के इतिहास में पहली बार एस जे वी एन द्वारा नदियों को स्वच्छ बनाने की दिशा में रामपुर के समीप लुहरी में एक महा आरती का आयोजन किया गया।

निपाह वायरस (छपट) के लक्षण

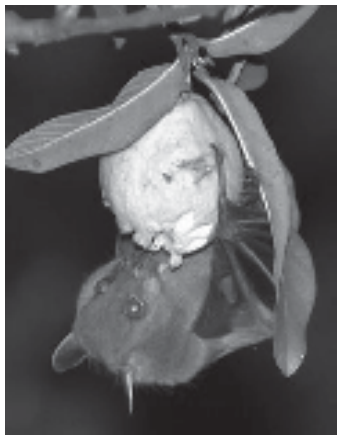

मनुष्यों में निपाह वायरस, encephalitis से जुड़ा हुआ है, जिसकी वजह से ब्रेन में सूजन आ जाती है। बुखार, सिरदर्द, चक्कर, मानसिक भ्रम, कोमा और आखिर में मौत, इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। 24-28 घंटे में यदि लक्षण बढ़ जाए तो इंसान को कोमा में जाना पड़ सकता है।

केरल से शुरू हुए निपाह वायरस का खौफ पूरे भारत में है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भी अलर्ट कर दिया गया है. इस अज्ञात इन्फेक्शन के चलते हाई अलर्ट घोषित किया गया है। केरल में हुई रहस्यमयी मौतों का कारण 'निपाह वायरस' को बताया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO निपाह को एक उभरती बीमारी करार दे चुका है। WHO के मुताबिक, निपाह वायरस चमगादड़ की एक नस्ल में पाया जाता है। यह वायरस उनमें प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। चमगादड़ जिस फल को खाती है, उनके अवशिष्ट जैसी चीजों के संपर्क में आने पर यह वायरस किसी भी अन्य जीव या इंसान को प्रभावित कर सकता है। ऐसा होने पर ये जानलेवा बीमारी का रूप ले लेता है। ये वायरस तीन फलों में हो सकता है। ऐसे में इन्हें भूलकर भी न खाएं।

केरल में फैले निपाह वायरस से फिलहाल दिल्ली में कोई खतरा नहीं है। लेकिन, चिकित्सकों का कहना है कि लोगों को बचाव के उपाय जरूर कर लेने चाहिए। केरल से जो केले आ रहे हैं, उनको खाने से बचें। अगर खाना ही है तो अच्छे से धोकर खाएं, क्योंकि, उत्तर भारत में ज्यादातर केले, केरल से आते हैं. ऐसे में इन्हें खाना सेहत के लिए सही नहीं है।❖

आध्यात्मिक एवं दैवी भावना से ओत-प्रोत हैं नलवाड़ मेले

-भीम सिंह परदेसी

हिमाचल प्रदेश के जन-जीवन, आचार-व्यवहार, तीज-त्यौहार सभी कुछ का आध्यात्मिक पक्ष से सम्बन्ध रहा है। देवी-देवताओं, धार्मिक-प्रवृत्तियों, अनुष्ठानों और दैवी-श्रद्धा से पावन होकर हिमाचली जन-जीवन की कल्पना साार्थक होती है। समस्त हिमाद्रि-भू, देवभूमि हिमाचल प्रदेश के निवासियों को अनेक ऋषि मुनियों और देवी-देवताओं की तप:भूत इस भूमि से जन्म के साथ ही आध्यात्मिक विरासत के रूप में प्राप्त हुई है। यही कारण है कि दैवी श्रद्धा उनके रोम-रोम में रच बस गई है। आपत्ति या दु:ख के समय पर ईश्वर का स्मरण करना, देवी-देवताओं को प्रसन्न करना अथवा यज्ञ-याज्ञादि का आश्रय लेना तो प्रत्येक आस्तिक के लिए सामान्य सी बात है, किन्तु हिमाचल का निवासी सुखमय समय में भी आध्यात्मिक और दैवी शक्तियों को विस्मृत नहीं करता, उसने अपने उल्लास एवं प्रसन्नता में भी आध्यात्मिक पक्ष को ही सदैव प्रमुख रखा है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर मनाए जाने वाले विभिन्न छोटे-बड़े मेले इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, जिसमें आध्यात्मिक एवं दैवी भावना प्रमुखत: विद्यमान रहती है।

हिमाचल प्रदेश में आयोजित किए जाने वाले मेलों में पशुधन का महत्व वैदिक एवं दार्शनिक पक्ष रखते हुए उस समय और अधिक बढ़ जाता है जब बैलों की मण्डी यानि नलवाड़ मेलों में अनेक प्रदेशों के लोग अपने पशुधन को लेकर आते हैं और बैलों का क्रय-विक्रय करते हैं। प्राचीन राजाओं के समय से मनाए जाने वाले इन मेलों में वैदिक काल की आध्यात्मिक और सामाजिक प्रतिछाया स्पष्टत: दृष्टिगोचर होती है। विश्व के सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद के समय में कृषि एक महत्वपूर्ण व्यवसाय बन चुका था। उस समय लकड़ी और धातु के हल बनाए जाते थे और इनको बैलों द्वारा जोता जाता था। राजाओं के बड़े-बड़े खेतों का वर्णन ऋग्वेद में उपलब्ध होता है, जिनमें अनेक बैलों से जोते जाने वाले हलों का प्रयोग किया जाता था। आर्यों के जीवन में पशुधन का विशेष महत्व था। गौ, बैल, भेड़ और बकरी आर्यों की आजीविका के लिए अत्यन्त आवश्यक थे। बैल कृषि के लिए आवश्यक था। गाय और बकरी से दूध लिया जाना व भेड़ों से ऊन प्राप्त होती थी। आर्यों के लिए गाय और बैल बहुत मूल्यवान व पूजनीय थे। उस समय इनका वध करना सर्वथा निषिद्ध था। ऋग्वेद में बैल को कितना महत्व एवं पूजनीय स्थान प्राप्त था वह ऋग्वेद के निम्न यंत्र से स्पष्ट होता है, जिसमें महादेव को 'वृषभ' कहा गया है और वृषभ शब्द का प्रयोग 'अभीष्ट' को बढ़ाने वालों के रूप में किया गया है।

चत्वारिश्रृंगा त्रयोऽस्य पादा: द्वे शीर्षे सप्तहस्तासो अस्य।
त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति महादेवो मर्त्यां आविवेश।।

ऋग्वेद-4-58-311

उपर्युक्त वेद के अनेक मंत्रों में 'वृषभ' शब्द का प्रयोग वर्षा करने वाले अथवा 'कामनाओं की वर्षा करने

वाले' अर्थों में किया गया है। विष्णु सूक्त, इन्द्रसूक्त, पर्जन्य सूक्त, विश्वेदेवा सूक्त -उदोग्धी धेनू बलीवर्दोऽनडवान' की कामना भी जन-जीवन में बैलों और गायों के महत्व को ही दर्शाती है। इसलिए यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि नलवाड़ मेले भी जन-जीवन की आवश्यकताओं एवं प्राचीन वैदिक भावना और मान्यताओं के दृष्टिगत ही प्रारम्भ किए गए होंगे। शैव-दर्शन में संसार के सभी प्राणियों को 'पशु' संज्ञा दी गई है तथा भगवान शिव का वाहन होने से शैवों या पाशुपति के लिए 'बैल' का विशेष अभ्यर्चनीय स्थान है, अत: शैव-दर्शन का तो मेला नलवाड़ से सीधा सम्बन्ध है। मेले जहां हमारी सभ्यता और संस्कृति में रचे बसे हैं वहां इनको मनाने का एक कारण मनोरंजन या आनन्द प्राप्ति अथवा मनोगत उल्लास का प्रदर्शन भी है। आनन्द या सुख की प्राप्ति अत्यन्त पुरूषार्थ न सही किन्तु दर्शनों में इसे पुरूषार्थ की कोटि में तो रखा ही है और चार्वाक तो सुख प्राप्त को ही मात्र परम पुरूषार्थ मानते हैं। प्रकृति का एक लघु एकत्रित और वैविध्यपूर्ण रूप भी हमें मेले के रूप में प्रत्यक्षत: देखने को मिलता है। त्रिगुणात्मकता की अनेक रूपों में स्पष्टत: प्रतीति ऐसे समय पर की जा सकती है। अत: कहा जा सकता है कि नलवाड़ मेलों का जहां सामाजिक, दैवी और वैदिक मान्यताओं के दृष्टिगत महत्व है वहां दार्शनिक दृष्टि से भी विचार करने पर इनका विशेष स्थान है।❖

दो किन्नरों की विहिप ने करवाई घर वापसी

नालागढ़ में दो किन्नरों ने इस्लाम धर्म को छोड़कर दोबारा हिंदू धर्म अपनाया है। तीनों किन्नरों का साजिश के तहत धर्म परिवर्तन करवाया गया था। नालागढ़ के तारादेवी मंदिर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित हवन यज्ञ के उपरांत वंदना देवनाथ सि मी व कविता ने घर वापिसी करते हुए हिंदू धर्म के संस्कार ग्रहण किए। कार्यक्रम में विहिप के जिलाध्यक्ष राजीव भल्ला विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

तारा देवी मंदिर में आयोजित हवन यज्ञ में शुद्धिकरण के उपरांत किन्नर वंदना व कविता ने ने हिंदू धर्म में घर वापिसी की। इस दौरान आयोजित समारोह में विश्व हिंदू परिषद ने दोनों किन्नरों को तलवार भेंट की। विहिप नेताओं ने शरारती तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि बाहरी ताकतें धन, बल और छल से हिंदुओं का धर्मांतरण करवाने से बाज आएं। अगर हिंदू और सनातन धर्म को मानने वालों को निशाना बनाना नहीं छोड़ा गया तो इसके गंभीर परिणाम इन ताकतों को भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि अब देश का हिंदू जाग चुका है और हिंदू धर्म के खिलाफ किसी भी साजिश और षडयंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ❖ **साभार बद्दी न्यूज**

शुभकामनाओं सहित

NHPC

NHPC Limited Energising India with Hydro Power Inspired by Nature…….

Parbati HE Project, Stage-II
83.7 m high Concrete Gravity Dam at elevation 2200 m

When human ingenuity and commitment are blended with technology and responsibility towards the environment, a powerful partnership evolves. And when this spirit of partnership is used to tap the forces of nature, it yields a source of energy that is clean, cheap and inexhaustible. Benefiting people, environment and the society. A partnership like the one between Nature and NHPC.

पार्बती जलविद्युत परियोजना चरण–II (800 MW)
नगवाईं, जिला मण्डी (हि.प्र.)- 175121

AASTHA MULTISPECIALITY HOSPITAL AND TEST TUBE BABY CENTRE

- दूरबीन विधि द्वारा पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी, पेशाब की थैली की पथरी, अपेन्डिक्स इत्यादि के आप्रेशन की सुविधा।
- BREAST कैंसर, पेट और आंत के कैंसर के आप्रेशन की सुविधा।
- Piles/ Haemmorhoid and Fistula (बवासीर) के आप्रेशन की सुविधा।
- Advance Level III Nursery Care (समय से पहले जन्मे कम वजन वाले बच्चों के ईलाज की सुविधा, VENTILATOR, CPAP, EXCHANGE TRANSFUSION, PHOTOTHERAPY, BONE MARROW ASPIRATION/BIOPSY, SURFACTANT THERAPY & IMMUNISATION FACILITY.
- IVF (TEST TUBE BABY)- फर्टिलिटी जाँच, IUI, IVF, ICSI and काउंसलिंग।
- Hysteroscopy, दूरबीन द्वारा पेट व बच्चेदानी और अण्डेदानी की बिमारियों की जाँच।
- दूरबीन द्वारा बच्चेदानी व अण्डेदानी के ऑपरेशन।
- सामान्य व सिजेरियन प्रसव, Recanalisation आदि के ऑपरेशन।
- Trauma / Fracture Surgery, Spine Surgery, HIP & Knee Replacement And Arthrospopy.

World Class Modular OT, Digital X-Ray, Ultrasound and Modern Lab

KNEE REPLACEMENT WITH PACKAGE Amt. of Rs. 1,20,000 (Single Knee)/2,40,000 (Both Knee)

VILLAGE CHAKKAR, POST OFFICE, GUTKAR, TEH. BALH, DISTT. MANDI (H.P.)
www.aasthamshospital.com / Contact : 01905-243331

स्व. श्री राघवा नन्द जी को श्रद्धांजलि

17 मई को बिलासपुर विभाग के विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संघ चालक सेनि. ब्रि. राघवानंद जी को उनके निवास स्थान दधोल में श्रद्धांजलि दी गयी। सेनि.ब्रि. (डॉ.) राघवानंद जी की मृत्यु 12 मई को दोपहर 1.30 बजे 95 वर्ष की आयु में दिल्ली में हुई। स्व. राघवानंद पढाई करने पश्चात सेना में चिकित्साधिकारी के रूप में नियुक्त हुए। वे सेना में चिकित्सक के रूप में कमीशन प्राप्त करने वाले हिमाचल प्रदेश के प्रथम व्यक्ति थे। सेवानिवृत्ति के पश्चात् वे अपने पैतृक गांव दधोल में आकर बस गए। गरीबों, निर्बल असहायों की नि:शुल्क ही उपचार करते थे। कृषि कार्य में भी आपका सहयोग प्राप्त होता था। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से प्रान्त कार्यवाह किस्मत कुमार, सुरेश कपिल, तिलक राज बिलासपुर के अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे। श्री अच्छर सिंह व सोहन सिंह ने स्व. श्री सेनि. ब्रि.राघवानंद जी के प्रेरक व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

श्रद्धांजलि

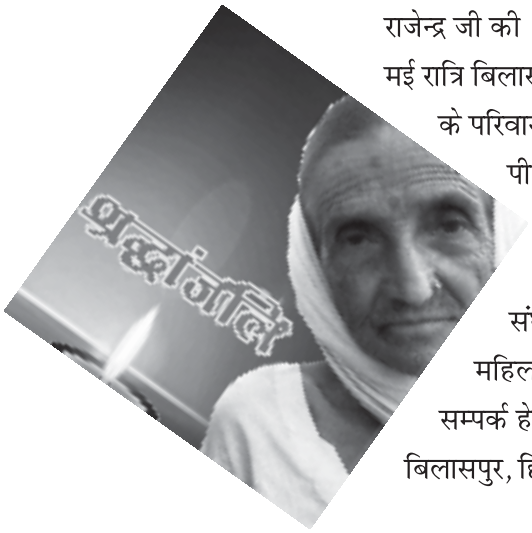

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक व हिमाचल शिक्षा समिति के पूर्व संगठन मंत्री राजेन्द्र जी की पूज्य माता जी स्व. श्रीमती द्रौपदी देवी का 73 वर्ष की आयु में 12 मई रात्रि बिलासपुर के जिला चिकित्सालय में हृदयाघात से देहावसान हो गया। उन के परिवार में पति श्री रामदास सेवा निवृत्त अध्यापक हैं। पुज्य माता जी अपने पीछे तीन बेटों का भरा पूरा परिवार छोड़ गई। बड़े बेटे सुरेंद्र भारती खेती बाड़ी करते हैं। दूसरा बेटा अमरजीत सिंह सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल है। सबसे छोटे राजेंद्र कुमार संघ के प्रचारक हैं। सभी संघ के स्वयंसेवक हैं। स्व. श्रीमती द्रौपदी देवी सेवा भावी व कर्मठ महिला थी। उनके दिये हुए संस्कार सन्तानों पर भी परिलक्षित होता है।

सम्पर्क हेतु : गाँव सुई, डाकघर सुई सुराड़, तहसील बिलासपुर सदर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश, पिन 174033

हम ये न सोचें, कि दुष्ट प्राणी जीत गये

- कमलेश ठाकुर

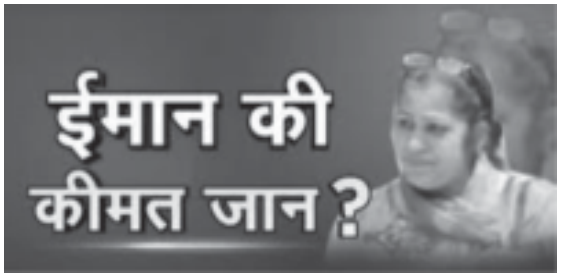

हिमाचल के कसौली कस्बे की बेहद दु:खद घटना के विषय में अधिकतम लेखकों व पत्रकारों की भांति मैंने भी गुटबाजी अपना ली है। एक सिरफिरे दिमाग वाले आदमी द्वारा सक्षम ईमानदार महिला अधिकारी को गोली मार देने की इस अत्यंत ही अप्रिय घटना को किसी भी धर्म, जाति, क्षेत्र, भाषा, समुदाय के साथ तो कभी भी जोड़ा न जाये। फिर भी ये दो वर्गों के बीच की लड़ाई तो अवश्य ही है। ये कर्तव्यपरायण सरकारी अफसर और गुंडों-बदमाशों के बीच का सतत संघर्ष है। ये न्याय व शैतान में होने वाली जंग है। इसे नारीशक्ति और दुष्ट लोगों के मध्य होने वाली लड़ाई भी माना जा सकता है।

किसी के अवैध निर्माण को हटाने की ये कार्यवाई कोई रातों-रात या एक दिन में ही नहीं की गयी। हर सम्भावना को देखने के बाद सम्बंधित प्राधिकार द्वारा लम्बी कानूनी प्रक्रिया के बाद ही ये किया गया होगा। लेकिन शैतान और भयंकर अपराधी किस्म के लोग हराम की कमाई और सरकारी भूमि पर कब्जा करना अपना अधिकार समझते हैं। ऐसे महामूर्ख दुष्टों का ये कुप्रयास है कि जो और लोग कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं।

माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय और आदेश को भी धत्ता बताने वाले ये असामाजिक तत्व जैसे लोग कानून, सरकार, प्रशासन, समाज, देश के प्रति सम्मान व उत्तरदायित्व का कोई भाव नहीं रखते। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने वाले अधिकारी को दिन-दहाड़े, सैकड़ों लोगों के सामने गोली मार देने का दुस्साहस करने वाले ऐसे तत्वों को मृत्युदंड से कम और क्या सजा दी जानी चाहिये?

ये सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि हिमाचल प्रदेश सहित हमारे सम्पूर्ण देश में 'कानून का शासन' चलेगा, गुंडाराज और आतंक का कभी नहीं। बदमाशों और गुंडों के पक्ष में बोलने वाले भी उसी स्तर के अपराधी हैं, जो निकृष्ट व समाजविरोधी गतिविधियों को उकसाते और बढ़ावा देते हैं। सिर्फ हिमाचल ही नहीं, बल्कि सारे देश में व्याप्त लाखों मुफ्तखोर और भ्रष्ट लोग सरकारी अर्थात् भारतीय नागरिकों की सम्पत्ति को लूटना अपना पुश्तैनी हक समझ बैठे हैं।

ये देखना भी बहुत दिलचस्प होगा कि उस हत्यारे को बचाने के लिये कौन सा वकील आगे आता है, या कौन से कथित नेता उस बदमाश को सजा से बचाने का कुत्सित प्रयास करते हैं? हमारे समाज व देश के हर वर्ग को न्याय का साथ देना ही चाहिये। देश के कानून का पालन करने वाली कर्तव्यपरायण अधिकारी के साथ ऐसा अत्यंत ही घृणित व्यवहार करने वाले अपराधी किसी को डरा नहीं सकते। बल्कि इस अपराधी ने देश के कानून और माननीय उच्चतम न्यायालय को खुली चुनौती दी है और अब इस अपराधी के विरुद्ध समुचित, ठोस और त्वरित कार्यवाई ही उस महिला अफसर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हो सकता है कि पत्थर, डंडे, गोली चलाने वाले ये अपराधी समाजविरोधी तत्व दो-चार छोटी-मोटी जंगे-लड़ाइयां जीत जाएं। लेकिन ये शत-प्रतिशत निश्चित है कि भ्रष्टाचार और अघोषित अराजकता के विरुद्ध इस द्वंद्व में अंतिम व सर्वश्रेष्ठ विजय कानून और न्याय की ही होगी।❖

संस्कृतम् वदाम

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरू में देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

टेढ़ी सूण्डवाले, विशालकाय शरीर वाले, करोड़ों सूर्यों के प्रकाशतुल्य प्रकाश वाले गणेश भगवान मेरे सभी कार्यों को सदैव विघ्नरहित पूर्ण करें।

समुद्रवसने देवी पर्वतस्तनमण्डले।
विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं पादस्पर्शं क्षमस्व मे॥

समुद्ररूपी वस्त्र धारण करने वाली और जीवनदायिनी नदियों रूपी दुग्ध धाराओं को जन्म देने वाली पर्वतरूपी स्तनों वाली, हे विष्णु पत्नि भूमिमाता! आपके ऊपर पैर रखने के लिये मुझे क्षमा करें।

संस्कृत व्यवहारः

आपका नाम क्या है?	पु0 भवतः नाम् किम् ?
आपका नाम क्या?	स्त्री0 भवत्याः नाम किम् ?
मेरा नाम.....।	मम नाम.....।
यह मेरा मित्र.....।	एषः मम मित्रं.....।
यह मेरी सखी.....।	एषा मम सखी.....।
तुम किस कक्षा में पढ़ते हो।	भवान्/ भवती कस्यां कक्षायां पठति।
मैं पांचवी कक्षा में पढ़ता हूँ।	अहं पञ्चम्यां कक्षायां पठामि।
कहां जा रहे हो?	कुत्र गच्छति ?
मन्दिर जा रहा हूँ।	देवालयं गच्छामि।
मैं नहीं जानता।	अहं न जानामि।

शब्दकोषः

भात	ओदनम्	लस्सी	तक्रम्
दाल	सूपः	आईसक्रीम	पयोहिमम्
सब्जी	शाकम्	जलेबी	कुण्डलिका
रोटी	रोटिका	चाकलेट	चाकलेहः
पनीर	आमिक्षा	टाफी	मधुगोलिका
मक्खन	नवनीतम्	रसगुल्ला	रसगोलकम्
घी	घृतम्	लड्डू	मोदकम्
दही	दधि	बर्फी	हैमी
तेल	तैलम्	नमकीन	लावणिकम्
आचार	अवलेहः	बिस्कुट	सुपिष्टकम्

व्याकरणम्

संस्कृत में दो तरह के पद शब्द होते हैं, जिन्हें शब्दरूप तथा धातुरूप कहते हैं। शब्दरूप में राम, सीता, चित्रम् आदि पद आते हैं। जबकि धातुरूप में पठति, लिखति, हसति आदि क्रियापद आते हैं। शब्दरूपों में तीन वचन होते हैं- एकवचन, द्विवचन, बहुवचन। एक व्यक्ति के लिए एकवचन, दो व्यक्तियों के लिए द्विवचन, तीन तथा उससे अधिक के लिए बहुवचन का प्रयोग होता है।

शब्दः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
राम	रामः	रामौ	रामाः
सीता	सीता	सीते	सीताः
चित्र	चित्रम्	चित्रे	चित्राणि

सुभाषितम्

उद्यमेन ही सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

परिश्रम से कार्यसिद्धि होती है, केवल इच्छा करने से नहीं। जैसे सोये हुये शेर के मुँह में हिरण स्वयं प्रवेश नहीं करते।

नव रचनाकारों के लिए शुभ सूचना

यदि आप स्थानीय लोक-संस्कृति, परंपरा, इतिहास, साहित्य व समसामयिक विषयों पर अपने विचारों को लेखनी के माध्यम से व्यक्त करना चाहते हैं तो मातृवन्दना आपको अवसर प्रदान करती है। तो कलम उठाइए और हो जाइए तैयार।

स्वयं बनें नागरिक पत्रकार

अपने क्षेत्र की कोई विशेष जानकारी/घटना आप पाठकों से साझा करना चाहते हैं तो मातृवन्दना कार्यालय को अवश्य अवगत करवाएं। हम उसको अपनी पत्रिका में प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे।

सेवा भारती बनी गरीबों का सहारा,

-सोमी प्रकाश भुव्वेटा

जैसे ऑक्सीजन के बिना धरती पर किसी प्राणी के जीवन की परिकल्पना नही की जा सकती। ठीक वैसे ही सेवा भारती संस्था के जिक्र के बिना अब चंबा जनपद अधूरा सा लगता है। क्योंकि, यही तो संस्था है जो इमरजेंसी में लोगों की उखड़ती सांसों का सहारा बन रही हैं। जरूरत मंद लोगों को संस्था चौबीस घंटे आक्सीजन मुहैया करवा रही है। चंबा जनपद में इस कार्य को संस्था कई सालों से कर रही है लेकिन आजतक इस कार्य का कभी श्रेय नही लिया। बिना किसी स्वार्थ के समाज की बेहतरी के लिए कुछ न कुछ करते रहने वाली इस संस्था से जुड़े चाहे किसी भी मजहब या संगठन से क्यों न हो, समाज में बदलाव लाने वाले उनके कार्य की तारीफ तो बनती है ताकि ऐसे लोगों से प्रेरित होकर समाज के अन्य लोग भी उनके कार्य का अनुसरण कर सकें। सेवा भारती संस्था किसी सरकारी फंडिंग पर आश्रित संस्था बिल्कुल भी नहीं। चम्बा के स्थानीय निवासियों के सहयोग से संस्था पंद्रह साल में न जाने कितने लोगों की इमरजेंसी में उखड़ती सांसों का सहारा बनकर उन्हें जीवनदान दे चुकी है।

ऐसे हुई थी शुरुआत- सेवा भारती के इस कार्य को शुरू करने की कहानी भी दिलचस्प है। वर्ष 2002 में चंबा-भरमौर मार्ग पर एक बस दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। उस हादसे में काफी लोग घायल हुए थे जबकि कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे का पता चलते ही कई सारें स्वयं सेवक पुलिस और प्रशासन की राहत और बचाव के कार्य में हरसंभव मदद करने पहुंचे थे। स्वयं सेवकों के समक्ष उस वक्त जिला अस्तपाल में इतने ज्यादा मरीज आ पहुंचे थे कि ऑक्सीजन सिलेंडरों की कमी से एक-एक करके हादसे में घायल मरीज दम तोड़ते चले गए, अगर उस दिन पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होती तो हादसे के शिकार लोगों की सांसें न उखड़ती। अपनी आंखों के समक्ष बिना आक्सीजन के सांसें उखड़ते देख विचलित कार्यकर्ताओं ने चंबा जनपद में बिना ऑक्सीजन के किसी की भी मौत न होने का संकल्प उस दिन ऐसे ले रखा है कि अब सेवा भारती के माध्यम से निशुल्क ऑक्सीजन सिलेंडर से लेकर आधुनिक मशीनें मुहैया करवाकर जरूरतमंद लोगों की उखड़ती सांसों का सहारा बन उन्हें नया जीवन दे रहे हैं।

इमरजेंसी के अलावा भी सांस की तकलीफ से जूझ रहे जिले के सभी वर्ग के लोग सेवा भारती की इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। इमरजेंसी में ठीक ढंग से सांस नहीं ले पाने वाले मरीजों को कृत्रिम सांस मुहैया करवाने के लिए आक्सीजन के सिलेंडर और आक्सीजन मुहैया करवाने वाली मशीन की कीमत पचास से साठ हजार रुपये है। आक्सीजन के सिलेंडर को भरवाने के बाद उसकी लीकेज की ज्यादा दिक्कत रहती है। इसलिए आजकल आक्सीजन मुहैया करवाने वाली मशीनों पर ही भरोसा बढ़ा है। आक्सीजन की मशीनें दस हजार घंटे इस्तेमाल होने के बाद बंद पड़ जाती है। कृत्रिम सांस मुहैया करवाने की व्यवस्था में काफी खर्चा आता है। लेकिन सेवा भारती से जुड़े लोग सरकार के पास हाथ फैलाने की बजाय खुद ही मिल बांटकर इस पूरी व्यवस्था का खर्चा वहन कर रहे हैं।

सेवा भारती के जिला संयोजक संदीप मलहोत्रा कहते हैं कि समाज के लिए समर्पित स्वयं सेवक सिर्फ समाज के लिए जीता है। समाज के किसी भी वर्ग के प्राणी पर आने वाली किसी भी तरह की विपदा में सहयोग को स्वयं सेवक हमेशा तैयार रहते हैं। सांस की तकलीफ का सामना करने वालों को आक्सीजन के सिलेंडर और आक्सीजन की मशीनें मुहैया करवाने का संकल्प सेवा भारती की सेवा का अभिन्न हिस्सा है।❖

रिश्ते

कर्मों के सब रिश्ते नाते, कर्मो का सब फेर है
पर बिन रिश्तों के जग सारा, लगता घोर अन्धेर है
कहने को तो सब हैं अपने,पर जाने किसी ने ना मेरे सपने
सदा रखूं चेहरे पे मुस्कान, ताकि मेरे अपने न हो परेशान
पर दुख होता है जब कहते, तू किस्मत से धनवान है
कर्मों के सब रिश्ते नाते, कर्मो का सब फेर है
पर बिन रिश्तों...

देने वाले ने कमी न की, पर मुझे क्या मिला
किस्मत की सब बातें हैं, पर दिल रोता, दुख होता है
जब अपने पूछते हैं, कि तू सदा खुश है
किसे सुना, हाल यह दिल का, कैसा रिश्तों का मेल है
कर्मों के सब रिश्ते नाते, कर्मो का सब फेर है
पर बिन रिश्तों...

प्यार, सच्चाई और अपनेपन से मिलता है सब
अपना भ्रम अब टूट गया, पैसे और बड़प्पन के
लालच में हर रिश्ता सच दूर गया।
अपने में है कमी जो कभी, कोई मुझे समझा नहीं
उस मालिक को लगता है, मेरा कर्म कोई जचा नहीं
कर्मों के सब रिश्ते नाते, कर्मो का सब फेर है, पर बिन रिश्तों. . .

सुषमा देवी, भरमाड़, कांगड़ा

दूर्वा

शीत-ताप को यह है सहती,
अपनी व्यथा नहीं यह कहती।
गणेश की यह बड़ी चहेती,
पूजा में स्थान है लेती।
गुण है इसका झट झुक जाना,
पृथ्वी पर विनम्र बिछ जाना।
सदाजीवा वनस्पति कहलाए,
जल पाकर यह बढ़ती जाए।
बढ़ कर हरियाली फैलाती,
धरा को सुन्दर कर जाती।
पशु इसे चुग बल को पाते,
अपने भाग्य पर इठलाते।
वनस्पतियों की यह सिरमौर,
साहित्य में भी पाए ठौर।
प्रकृति को चार चांद लगाए,
हरा रंग है इसमें समाया,
अमृत मानो इसने पाया।
राहु की है समिधा प्यारी,
'प्रसाद' को यह लगे न्यारी।

रामप्रसाद शर्मा 'प्रसाद' कांगड़ा

दानी शख़्स

जिसने रक्तदान किया
अंगदान किया
क्षमादान किया
अपनों में जी-भर कर जिया
हंसा-रोया, खोया
फिर भी मानवता से परे नहीं होया
हरदम सज्जनता का बोझा ढोया
रे भगवन!
यही तो है वो शख़्स
जिसने लाचार इंसान को
ब्रह्मविद्या इल्म में पिरोया।

कशमीर सिंह, रजेरा चम्बा हि0प्र0

जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए आगे आएं किसान

जैविक खादों के प्रयोग से मृदा का जैविक स्तर बढ़ता है, जिससे लाभकारी जीवाणुओं की संख्या बढ़ जाती है और मृदा काफी उपजाऊ बनी रहती है। जैविक खाद पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक खनिज पदार्थ प्रदान कराते हैं, जो मृदा में मौजूद सूक्ष्म जीवों के द्वारा पौधों को मिलते हैं जिससे पौधे स्वस्थ बनते हैं और उत्पादन बढ़ता है।

रासायनिक खादों के मुकाबले जैविक खाद सस्ते, टिकाऊ तथा बनाने में आसान होती हैं। इनके प्रयोग से मृदा में ह्यूमस की बढ़ोतरी होती है व मृदा की भौतिक दशा में सुधार होता है। पौधा वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश तथा काफी मात्रा में गौण पोषक तत्वों की पूर्ति जैविक खादों के प्रयोग से ही हो जाती है। कीटों, बीमारियों तथा खरपतवारों का नियंत्रण काफी हद तक फसल चक्र, कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के प्रतिरोध किस्मों और जैव उत्पादों द्वारा ही कर लिया जाता है। जैविक खादें सड़ने पर कार्बनिक अम्ल देती हैं जो भूमि के अघुलनशील तत्वों को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर देती हैं, जिससे मृदा का पी-एच मान 7 से कम हो जाता है। अत: इससे सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ जाती है। यह तत्व फसल उत्पादन में आवश्यक है।

इन खादों के प्रयोग से पोषक तत्व पौधों को काफी समय तक मिलते हैं। यह खादें अपना अवशिष्ट गुण मृदा में छोड़ती हैं। अत: यह एक फसल में इन खादों के प्रयोग से दूसरी फसल को लाभ मिलता है। इससे मृदा उर्वरता का संतुलन ठीक रहता है।

अजोला टीका: यह एक आदर्श जैविक प्रणाली है। जो उष्ण दिशाओं में धान के खेत में वायुमंडलीय नत्रजन का जैविक स्थिरीकरण करता है। अजोला 25 से 30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर प्रति फसल को योगदान करता है।

हरी खाद: साल में एक बार हरी खाद उगाकर खेत में जोतकर कार्बनिक अंश को बनाए रख सकते हैं। हरी खादों

में दलहनी फसलों, वृक्षों की पत्तियां खरपतवारों को जोतकर उपयोग किया जाता है। एक दलहनी परिवार की फसल 10-25 टन हरी खाद पैदा करती है। इसके जोतने से 60 से 90 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से प्राप्त होती है। ढैंचा: यह फसल 40 से 60 दिनों में जोतने लायक हो जाती है। यह 50 से 60 किलोग्राम नत्रजन की भी प्रति हेक्टेयर आपूर्ति करता है। बुवाई के लिए 30 से 40 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर डालें दो से तीन सिंचाई ही करनी पड़ती है। इसके अलावा नील हरित शैवाल टीका, आरबसक्यूलर माइकोराजा न्यूट्रीलिंक टीका, सूबबूल आदि भी लाभकारी हैं।

कंपोस्ट टीका: इस टीके के प्रयोग से धान के पुआल का 6 से 9 सप्ताह के अंदर बहुत अच्छा कंपोस्ट बन जाता है। एक पैकेट के अंदर 500 ग्राम टीका होता है जो एक टन कृषि अवशेष को तेजी से सड़ाकर कंपोस्ट बनाने के लिए काफी है।

राइजोबियम टीका: राइजोबियम का टीका दलहनी, तिलहनी एवं चारे वाली फसलों में प्रयोग होता है। ये 50 से 100 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर का जैविक स्थिरीकरण कर सकते हैं। इससे 25 से 30 फीसदी फसल उत्पादन बढ़ता है।

एजोटोबैक्टर टीका: यह स्वतंत्र जीवी जीवाणु है। इसका प्रयोग गेहूं, धान, मक्का, बाजरा, टमाटर, आलू, बैंगन, प्याज, कपास सरसों आदि में करते हैं। 15 से 20 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की बचत करता है। 10 से 20 प्रतिशत फसल बढ़ती है।

एजोस्पिरिलम टीका: इसका प्रयोग अनाज वाली फसलों में होता है। जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, मोटे छोटे अनाजों एवं जई में होता है। चारे वाली फसलों पर भी लाभकारी होता है। 15 से 20 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर बचत करता है। फसल चारा उत्पादन बढ़ता है।❖

नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्राप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनिए के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आंवला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में काफी मदद मिलेगी।
- लाल चंदन, मुलेठी और लाल केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमें से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रूक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभीर से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदे नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रूक जाता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होती है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधनी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।

देश की वैश्विक छवि को बिगाड़ने में कांग्रेस सबसे आगे

-अजय मित्तल

ब्रिटिश राजनेता विंस्टन चर्चिल उन दिनों विपक्ष में थे तथा लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री थे। चर्चिल इस सरकार के जबरदस्त आलोचक हुआ करते थे, विशेषकर उसके समाजवादी कार्यक्रमों के। एक बार वे अमरीका की यात्रा पर गए, वहां पत्रकारों ने इस इरादे के साथ कि वे एटली सरकार की आलोचना करेंगे, उनके सामने कुछ प्रश्न रखे। चर्चिल इरादा भांप गए। उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि मैं विदेशी धरती पर अपने देश की सरकार की आलोचना नहीं करता, यद्यपि घर में मैं उसका बड़ा विरोधी हूं। ऐसी राष्ट्रीय वफादारी की कोई अपेक्षा क्या आप सोनिया-राहुल उसके नेतृत्व वाली वर्तमान कांग्रेस पार्टी से कर सकते हैं? नरेन्द्र मोदी और हिन्दुत्व के प्रति घोर विष से भरी इस पार्टी की हालत यह है कि मोदी- विरोध को वह राष्ट्र विरोध की परिधि तक ले गई है। इन के दो वरिष्ठ नेता दोनों ही पूर्व केंद्रीय मंत्री मणि शंकर अय्यर तथा सलमान खुर्शीद पाकिस्तान जाकर मोदी-सरकार को गिराने के लिए उसका सहयोग मांगते हैं। राहुल गांधी और मनमोहन सिंह तक विदेशी दौरों में उन पर निशाने साधते हैं। इन्होंने अपने पूर्व के परिचय-सम्बन्ध का लाभ देश की छवि ध्वस्त करने में इस सीमा तक उठाया कि संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने भारत को महिलाओं की सुरक्षा हेतु सबक देने शुरू कर दिए। जहां तक बलात्कार का प्रश्न है, अमरीका जिसकी आबादी (32 करोड़ भारत की एक चौथाई से भी कम है, में 2015 में 4, 31, 840 दुष्कर्म पुलिस में रिपोर्ट किए गए। इसमें 21.8 प्रतिशत सामूहिक बलात्कार थे। ब्रिटेन आबादी 6.56 करोड़, भारत की आबादी का 1/20 में इसी दौरान 23,851 रेप दर्ज हुए, जिनमें 11,947 तो बच्चों के साथ हुए। इन आंकड़ों के विपरीत भारत में 2015 में 31,651 और 2016 में 38,796 बलात्कार के मुकदमे दर्ज हुए। आबादी की दृष्टि से तुलना करे तो अमेरिका में भारत के मुकाबले 48 गुना और ब्रिटेन में 13 गुना अधिक दुष्कर्म हुए। किन्तु बलात्कारी देश व समाज की छवि किसकी बनी है? क्या अमरीका व ब्रिटेन के विपक्षी नेता ऐसी कोई छवि अपने देश की बनाने की कोशिश करते हैं?

2009 में सोपियां कश्मीर में दो महिलाओं-नीलोफर और आसिया के शव एक पहाड़ी नाले से प्राप्त हुए थे। सारी घाटी में शोर मचा कि भारतीय सेना ने सामूहिक बलात्कार कर उन्हें मार दिया। उमर अब्दुल्ला सरकार ने हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज मुजफ्फर जान की अध्यक्षता में आयोग बनाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म होना बताया गया था। आयोग ने उसी अनुसार सुरक्षाबलों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा कर डाली। बाद में सुरक्षाबलों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मामला सीबीआई के हवाले किया। इस केन्द्रीय जांच एजेंसी ने तमाम झूठे परदे हटाकर सच्चाई सामने ला दी। शवों को कब्रों से निकलवाकर पुन: पोस्टमार्टम कराया गया तो पता चला कि बलात्कार हुआ ही नहीं था और मृत्यु का कारण पानी में डूबना था। इस सारे घटनाक्रम के बीच असम के बहुत से इलाकों से 26 दिन में 88 हिन्दू बच्चियों के साथ वीभत्स दुष्कर्म व जिंदा जलाने के समाचार हैं, जो हमारी ओर के मीडिया की दृष्टिपथ से बाहर रहे हैं। इस दौरान जो बलात्कारी असम पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजे हैं। कहीं भी किसी चैनल में जिक्र हुआ क्या? बिहार के करगहर ग्राम में मेराज आलम ने 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या की। वहां के दैनिक भारत की यह खबर है। कहीं किसी चैनल में जिक्र हुआ क्या? सारे हिन्दू समाज को बलात्कारी ठहरा दिया गया। पहले भगवा आतंकवाद और अब भगवा बलात्कार का शोर है एक 'जनेऊधारी शिवभक्त' इस तमाम कांड को कह रहा है, क्या यह समझना कठिन है?

भारत के कुछ इलाकों और विदेशों में भी ऐसे बैनर लगे हैं कि हिन्दू यहां न आए, हमारे यहां छोटी बच्चियां रहती हैं। इस कदर भारत और हिन्दू समाज का चेहरा काला किया है इस कांग्रेस के लोगों ने। इसकी भरपाई कैसे होगी?❖

जीवंत और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण

महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं की शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और परिवारिक शक्ति में वृद्धि करना है साथ ही उनको धार्मिक रूढ़ियों पुराने नियम कानून पाखण्डों आदि से भी दूर रहना है। बच्चियों को बचपन से ही आत्मविश्वास और हिम्मत देकर उनको आगे बढ़ायें जिससे की प्रगति का संतुलन बना रहे तथा महिलाओं को बराबर सम्मान मिले। भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत सभी को अनुच्छेद 14-18 के अन्तर्गत समानता का अधिकार दिया गया है जोकि महिलाओं और पुरूषों को बराबरी का अधिकार देता है।

बिजनौर, बाढ़ापुर रोड स्थित सुपर मार्शल आर्ट एकेडमी के प्रांगण में जूडो-कराटे और ताइक्वान्डो का प्रशिक्षण ले रहे युवक व युवतियों ने महिला सुरक्षा व बचाव के तहत जमकर जूडो-कराटे व ताइक्वान्डो का प्रदर्शन किया। इसमें खास बात यह रही कि जूडो- कराटे में युवतियों ने अपने साहस व अच्छे प्रशिक्षण के कारण आत्मरक्षा का जहां अच्छा प्रदर्शन किया वहीं जूडो-कराटे से बचाव के दौरान युवकों को करारी शिकस्त भी दी। अतिथि के रूप में उपस्थित हुए सहायक निदेशक सूचना प्रमोद कुमार ने कहा कि जीवंत और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है।

यह तभी सम्भव है जब महिला अपने में स्वयं ही सशक्त भाव लाये तथा स्वयं को अपना दीपक स्वयं बनकर आगे आना होगा। जूडो-कराटे खेल मन से खेलने व निरंतर अभ्यास से कामयाबी मिलती है। खेल में सब बराबर होते हैं। खेल को खेल भावना से खेल कर उसमें आसानी से पारंगत हुआ जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनपद में भी अपने कार्यो के साथ ही सत्येन्द्र कुमार, शीतल पाल व प्रिया गुप्ता आईएएस सिविल सेवा परीक्षा 2018 में शामिल हो रहे है। उपस्थित जनों ने देश और समाज के विकास के लिए रचनात्मक कार्यो कर देश व समाज को आगे बढ़ाये जाने आदि के साथ ही सफलता के लिए शुभकामनायें भी दी है। एकेडमी के अध्यक्ष शीतल पाल व सचिव शाजिद द्वारा भी महिलाओं को व्यवाहारिक रूप से सशक्त बनाने पर बल दिया और कहा कि महिलाये स्कलता के शिखर पर पहुंच रही है महिलाओं से जुडी समस्याओं का अन्त एक दिन अवश्य होगा यह तभी सम्भव है जब महिलाओं को अपने स्वाभिमान, सम्मान के लिए निरंतर सकारात्मक, रचनात्मक कार्यो को कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर आगे आना होगा।

प्राचीन काल से चलते आए अपने राष्ट्रजीवन पर यदि हम एक सरसरी नजर डालें तो हमें यह बोध होगा कि अपने समाज के धर्मप्रधान जीवन के कुछ संस्कार अनेक प्रकार की आपत्तियों के उपरांत भी अभी तक दिखाई देते हैं। यहाँ धर्म-परिपालन करनेवाले, प्रत्यक्ष अपने जीवन में उसका आचरण करनेवाले तपस्वी, त्यागी एवं ज्ञानी व्यक्ति एक अखंड परंपरा के रूप में उत्पन्न होते आए हैं। उन्हीं के कारण अपने राष्ट्र की वास्तविक रक्षा हुई है और उन्हीं की प्रेरणा से राज्य-निर्माता भी उत्पन्न हुए हैं।❖

सरकार का ऐतिहासिक निर्णय-पॉस्को एक्ट में संशोधन

-सुरेन्द्र कुमार

केन्द्र सरकार की कैबिनेट ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए बच्चों का लैंगिक उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम यानी पॉस्को एक्ट में कड़ा संशोधन किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जो मानवता का दुश्मन 12 या इससे कम उम्र की नन्हीं कली के साथ दरिंदगी करेगा उसे सजा स्वरूप सजा-ए-मौत दी जाएगी। साथ ही 16 साल की कम उम्र की बिटिया के साथ हैवानियत करने वाले को अब न्यूनतम बीस साल के दंड के प्रावधान के साथ अपराधी की अग्रिम जमानत भी समाप्त कर दी। पॉस्को एक्ट में किए गए इन खास परिवर्तनों से हमें प्रथम दृष्टि यही लगता है कि राजनीति को सर्वोपरि मानने वाली हमारी व्यवस्था को इन निर्णयों को व्यावहारिक रूप देने में पहले पहल कुछ मुश्किलें हो सकती हैं परंतु वक्त के साथ ये निर्णय आम धारणा बन सकते हैं।

यह हमारे देश की न्यायपालिका की विडम्बना ही है कि यहां संगीन अपराधें के पीड़ित न्यायालय के फैसले के इंतजार में या तो वे बूढ़े हो जाते हैं या फिर उनकी प्राकृतिक तौर पर सांस थम जाती है। ऐसे मामलों में देशवासियों ने अक्सर देखा है कि यहाँ फाइलें वक्त के साथ धूल में सराबोर होकर सदा के लिए स्वत: ही बंद हो जाती हैं। परंतु बीते दिनों पोस्को एक्ट में सरकार के एक साहसिक कदम ने जनमानस में न्याय के प्रति आशा की किरण को सींचने का भरपूर प्रयास किया है।

इन्दौर की सत्र अदालत ने कड़े शब्दों में कहा कि जो मासूम रोने के सिवा कुछ नहीं जानती उसके साथ दिल दहलाने वाला कृत्य पिशाची प्रवृत्ति का है। ऐसे विकृत मानसिकता वाले अमानवीय शख्स समाज के लिए गैंगरीन रोग जैसे हैं। जिस प्रकार एक डॉक्टर गैंगरीन प्रभावित भाग को शरीर से काटकर हटाता है उसी प्रकार ऐसे अपराधियों को मृत्युदंड देकर नहीं हटाया गया तो ये समाज के लिए बेहद घातक सिद्ध होंगे। मानवता के दुश्मनों को देश से बाहर खदेड़ने वाले इस संशोधन से देश की अन्य अदालतों को भी सीख लेनी होगी। देश में घटित कुकर्मों के अनेकों प्रतिफल ऐसे हैं जो हमारे समाज को पिछड़ेपन के गहरे गर्त की ओर निरंतर धकेल रहे हैं। अब समय आ गया है कि वे भी ऐसी घिनौनी वारदातों की सुनवाई दिन रात चलाए तथा तब तक चलाते रहें जब तक आरोपी फांसी के तख्ते पर न लटक जाए। यदि इंदौर में हुए इस सकारात्मक परिवर्तन की क्रियाशीलता देश के अन्य भागों में भी सुखद रही तो भारत में इसके अनेकों बेहतरीन परिणाम देखने को मिलेंगे। आज देश के उन माता-पिताओं के कलेजे को भी ठंडक पहुँची होगी जिन्होंने अपनी बेटियों को विकृत मानसिकता से ग्रसित हैवानों की अमानवीय भड़ास का शिकार होते देखा है। मां-बाप अपनी बेटियों की परवरिश बड़े अरमानों के साथ करते हैं।

देश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के ग्राफ के मध्य नजर हमें देश की जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली में भी माकूल परिवर्तन करने होंगे। सरकार मात्र निर्णय ले सकती है निर्णयों को व्यावहारिक रूप तो हमारे लोकतांत्रिक स्तंभों को ही देना होगा। इंदौर के सत्र न्यायालय ने जो किया उसकी जितनी सराहना की जाए कम है। परंतु वास्तव में मोदी सरकार की यह सोच तभी चरितार्थ होगी जब देश का आमजन अपने आप को यहाँ सुरक्षित महसूस करें। अत: भारत के विभिन्न न्यायालयों को इंदौर केस से सीख लेते हुए अपने यहाँ विचाराधीन घिनौनी घटनाओं को प्राथमिकता के तौर पर तब तक सुलझाना होगा जब तक कसूरवारों को सजा नहीं मिल जाती।❖

फेसबुक की चेतावनी- सुरक्षित नहीं यूजर्स और लीक हो सकता है डाटा

भारतीय यूजर्स को नहीं मिलेगी EU जैसी डाटा सुरक्षा Facebook डाटा लीक के बाद WhatsApp भी शक के घेरे में अकाउंट डिलीट करने के बाद भी रखता है कॉल और SMS के डाटा 8.7 करोड़ यूजर्स का डाटा ब्रिटिश कंपनी से साझा किया जिस में 5.6 करोड़ भारतीय भी शामिल हैं। डाटा लीक के बाद सवालों से घिरी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने यूजर्स के लिए ताजा चेतावनी जारी की है। मार्क जुकरबर्ग की इस कंपनी को आशंका है कि आने वाले दिनों में डाटा लीक के और मामले सामने आ सकते हैं। यूएस सिक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन SEC के सामने पेश अपनी रिपोर्ट में फेसबुक ने यह आशंका जताई है। इसके मुताबिक, थर्ड पार्टी द्वारा डाटा में घुसपैठ की लगातार कोशिश की जा रही है। गौर करने वाली बात यह है कि इस रिपोर्ट में कैम्ब्रिज एनेलिटिका का जिक्र नहीं है, जिसके कारण बीते दिनों बड़ी संख्या में यूजर्स का डाटा लीक हुआ था। कैंब्रिज एनेलिटिका का कहना था कि वह डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान से जुड़ी हुई थी और उसने चुनाव प्रभावित करने के लिए 8.7 करोड़ लोगों की व्यक्तिगत जानकारियां हासिल की थीं।

कैम्ब्रिज एनेलिटिका का मामला सामने आने के बाद अमेरिकी सीनेट में जुकरबर्ग की पेशी हुई थी और उन्होंने माफी भी मांगी थी। जुकरबर्ग ने भारत में अगले साल होने वाले आम चुनावों के दौरान लोगों का भरोसा बहाल करने का आश्वासन देते हुए कहा था, भारत में आगामी चुनाव के दौरान पूरी ईमानदारी बरती जाएगी। फेसबुक न केवल अपने यूजर्स के डाटा का सौदा करने लगी है, बल्कि घुसपैठ भी करती है। ताजा खुलासा यह है कि कोई यूजर फेसबुक से लॉग आउट कर लेता है तो भी कंपनी इस पर नजर रखती है कि वह शख्स कौन-कौन सी बेवसाइट्स देख रहा है।

डाटा लीक में फेसबुक के घिरने के बाद उसकी स्वामित्व वाली लोकप्रिय मैसेजिंग सर्विस वाट्सएप भी संदेह के घेरे में आ गई है। विशेषज्ञों ने यह संदेह जताया कि यह उतना सुरक्षित नहीं है, जितना दावा किया जाता है। उन्होंने यूजर्स की डाटा सुरक्षा संबंधी कुछ शर्तों पर सवाल उठाए। कहा कि इसके किसी गलत इस्तेमाल को चुनौती नहीं दी जाएगी। ❖

पेड न्यूज व पीत पत्रकारिता के चलते कम हुई विश्वसनीयता

कहीं नें आयोजित नारद जयंती पर विचार रखते वक्ता।

साभार: दैनिक सवेरा टाइम्स

हाफिज सईद की राजनीतिक पार्टी आतंकी संगठन घोषित

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और जमात-उद-दावा सरगना हाफिज सईद को अमेरिका ने बड़ा झटका दिया है। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने हाफिज सईद की राजनीतिक पार्टी मिल्ली मुस्लिम लीग को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। यानी हाफिज सईद की राजनीतिक पार्टी मिल्ली मुस्लिम लीग को अमेरिका ने आतंकवादी संगठनों की लिस्ट में शामिल कर दिया है।❖

आर्क बिशप का ईसाई समुदाय को विवादित पत्र

दिल्ली के आर्चबिशप अनिल क्यूटो की एक हालिया टिप्पणी को लेकर हुए विवाद के बीच केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आज कहा कि धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक सौहार्द और सहिष्णुता भारत के डीएनए में है और अल्पसंख्यकों को भारत में दुनिया के किसी भी देश की तुलना में ज्यादा संवैधाानिक एवं धार्मिक सुरक्षा प्राप्त है। ईसाई समुदाय से जुड़े संगठन 'डायोसिस आर्क डेल्ही-चर्च ऑफ नार्थ इंडिया' के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद नकवी ने कहा, ''केन्द्र सरकार बिना किसी भेदभाव के ***सबका साथ, सबका विकास*** और ***सम्मान के साथ सशक्तिकरण*** के संकल्प को पूरा करने के लिए ईमानदारी के साथ काम कर रही है।'' उन्होंने कहा, हमारी सरकार सभी संवैधानिक संस्थाओं, लोकतान्त्रिक मूल्यों, धार्मिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हमें उन ताकतों से होशियार रहना होगा जो राजनीतिक पूर्वाग्रह एवं निहित स्वार्थ के लिए प्रगति एवं विकास के सकारात्मक माहौल को खराब करना चाहती हैं।'' नकवी ने कहा, ''धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक सौहार्द, सहिष्णुता भारत के डीएनए में है और अल्पसंख्यकों को भारत में दुनिया के किसी भी देश की तुलना में ज्यादा संवैधाानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक सुरक्षा प्राप्त है।'' मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दिल्ली के आर्चबिशप अनिल क्यूटो की एक हालिया टिप्पणी को लेकर राजनीतिक बवाल उठ खड़ा हुआ है ।❖

उत्तर प्रदेश में लव जिहाद

मुंबई पायधुनी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक धार्मिक व्यक्ति को वॉट्सएप ग्रुप के जरिए 19 साल की लडकी से पहले दोस्ती, फिर एसिड फेंकने की धमकी देकर उसके साथ रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार युवक का नाम मोहम्मद अरशद खुर्शीद अहमद शेख 21 साल है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अरशद से पीड़ित की दोस्ती वॉट्सएप पर 2016 में हुई। अरशद उत्तरप्रदेश के बिजनौर का रहने वाला है और दोस्ती के बाद अरशद ने अक्टूबर में मुंबई आकर उससे मुलाकात की। दोनों गिरगांव चौपाटी गए, जहां अरशद ने शादी का प्रस्ताव रखा। उस दौरान अरशद ने बताया कि वह पुणे के एक गैराज में काम करता है, जिसके बाद लडकी ने उसका शादी प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इसके बाद 8 जून 2016 को अरशद ने लड़की को पुणे बुलाया, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया। इतना सुनते ही अरशद को गुस्सा आ गया और उसने पुणे नहीं आने पर मुंबई में रहने वाले अपने एक दोस्त के जरिए उस पर ऐसिड फेंक कर चेहरा खराब कर देने की धमकी दे डाली। इससे डरकर वह अगले दिन मुंबई से पुणे चली गई, जहां चिंचवाड रेलवे स्टेशन पर उसकी अरशद से मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद वह उसे लेकर वहीं पर स्थित एक तीन मंजिला इमारत में गया और वहीं उसके साथ घिनौनी हरकत की।

पीडित की शिकायत पर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी के मोबाइल नंबर का लोकेशन ट्रेस कर उसे उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में स्थित उसके गांव से गिरफ्तार करने के बाद मुंबई लाया और यहां स्थानीय कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है। मामले की जांच पायधुनी पुलिस स्टेशन के पीआई कर रहे हैं।❖

दलित को कंधे पर उठाकर मंदिर पहुंचे पुजारी

श्रीरंगनाथ मंदिर के पुजारी ने जो किया, वह सामाजिक समरसता की एक मिसाल है। पुजारी सीएस . रंगराजन ने एक दलित भक्त आदित्य पारासरी को अपने कंधे पर उठाकर मंदिर के दर्शन कराए। मंदिर में जयकारों की गूंज, फूलों से सजावट और वैदिक मंत्रों के उच्चारणों के बीच पुजारी रंगराजन 25 वर्षीय दलित युवक आदित्य को अपने कंधे पर उठाकर मंदिर पहुंचे और युवक को गर्भगृह ले जाकर दर्शन करवाए। पुजारी के इस कदम की हर कोई तारीफ कर रहा है। रंगराजन ने इस बारे में बताया, 'यह 2700 साल पुरानी परम्परा की पुनरावृति है, तमिलनाडु में लोकसारंग नाम के संत द्वारा प्रारम्भ किया गया था। जिसे मुनि वाहन सेवा के नाम से जानते हैं। इस परंपरा को सनातन धर्म समाज में बराबरी का संदेश पहुंचाने के लिए निभाया जाता है।' इस नजारे को जिसने भी देखा उसने पूरे उत्साह के साथ इसका स्वागत किया। मंदिर में कई बड़े देवस्थलों के पुजारी और तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अब्राहम लिंकन को बचपन में महापुरुषों की जीवनी पढ़ने का बहुत शौक था। गरीबी के कारण पुस्तकें खरीद तो नहीं सकते थे, पर जहाँ-तहाँ से माँगकर लाते, पढ़ते, लौटाते और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते थे।

एक बार वे दस मील चलकर एक पुस्तक माँगकर लाए। रात को वर्षा हुई। छत टपकी और पुस्तक भीग गई। सुरक्षित लौटाने की शर्त कैसे निभेगी, लिंकन इस चिंता में डूबे जा रहे थे।

नियत समय पर लौटाने पहुँचे, पर साथ ही उसके खराब होने की बात भी कही। झंझट का फैसला यह हुआ कि लिंकन उस सज्जन के यहाँ इतने दिन मजदूरी करें, जितने में नई पुस्तक खरीदने जितना पैसा चुक जाए। लिंकन खुशी-खुशी तैयार हो गए और पैसे चुकाकर वापस लौटे।

हिमाचली बेटी ने सुझाया था 'तारिणी' का नाम

सैलिंग वोट के नामकरण को नौसेना ने टीम सदस्यों से मांगे थे सुझाव

■ 'दिव्य हिमाचल' से साझा किया अनुभव ■ लेफ्टिनेंट कमांडर प्रतिभा जम्वाल ने समुद्र की लहरों के बीच [illegible]

[illegible]

नारद जयन्ती के उपलक्षय पर नवाज़े गए पत्रकार

विश्व संवाद केन्द्र शिमला द्वारा दिनांक 25 मई, 2018 को देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह मनाया गया। इस अवसर पर संवाद केंद्र द्वारा पत्रकारिता की पांच विधाओं में प्रदेश के 5 पत्रकारों को सम्मानित किया गया। प्रदेश के वन, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री श्री गोविंद सिंह ठाकुर ने इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व उच्च शिक्षा परिषद हरियाणा के अध्यक्ष प्रो. बृजकिशोर कुठियाला ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। जबकि पी.टी.आई. शिमला के ब्यूरो चीफ प्रकाश चन्द लोहमी ने समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर अजीत समाचार पत्र मंडी के खेमचन्द शास्त्री को वरिष्ठ पत्रकार, पंजाब केसरी शिमला की प्रीति मुकुल को महिला पत्रकार, दिव्य हिमाचल के ब्यूरो चीफ शकील कुरैशी को युवा पत्रकार, न्यूज 18 नेटवर्क के संवाददाता जितेन्द्र गुप्ता को इलैक्ट्रॉनिक मीडिया जबकि अंग्रेजी समाचार पत्र द् स्टेट्समैन के ललित शर्मा को छाया पत्रकार के रूप में सम्मानित किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि गोविन्द ठाकुर ने पत्रकारों से राष्ट्रीयता के उद्देश्य को आत्मसात् करते हुए समाज में घटित घटनाओं को सही ढंग से पेश करने का आह्वान किया तथा उन्हें समाज व दुनिया तक पहुंचाने के कृत संकल्प को भी दोहराया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो० बृजकिशोर कुठियाला ने देवर्षि नारद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए श्रेष्ठ व निष्पक्ष पत्रकारिता की अहमियत पर बल दिया। उन्होंने पेड पत्रकारिता के कुप्रभावों के बारे में पत्रकारों को एकजुट होकर आवाज उठाने तथा इससे बचे रहने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम में विश्व संवाद केन्द्र द्वारा देवर्षि नारद पर बनी एक लघु फिल्म भी दिखाई गई जिसे सभी ने सराहा। विश्व संवाद केन्द्र शिमला द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक समाचार विचार पत्र हिम-संचार के विशेषांक सामाजिक समरसता में मीडिया का योगदान का विमोचन भी मुख्यातिथियों द्वारा किया गया।

विश्व संवाद केन्द्र के संयोजक प्रमुख दलेल ठाकुर ने विश्व संवाद केन्द्र द्वारा किये जा रहे प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी का स्वागत किया। वहीं विश्व संवाद केन्द्र शिमला के अध्यक्ष प्रो. नरेन्द्र शारदा ने संवाद केन्द्र के कार्यों का गति से आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई व कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। रा.व.मा.पा. पोर्टमोर की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना व वन्दे मातरम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर शिमला विभाग संघचालक वीरेन्द्र सिपहिया, प्रांत-प्रचार प्रमुख महीधर प्रसाद, मातृवन्दना पत्रिका के संपादक डा0 दयानन्द शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार व भाजपा नेता गणेश दत्त, प्रदेश सरकार के मीडिया सलाहकार श्री रोहित कुमार सावल। हिमाचल प्रदेश सरकार के आई.टी. विभाग के सलाहकार श्री किशोर कुमार, पोर्टमोर स्कूल के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सूद, शिमला के प्रबुद्धजन हिमाचल प्रदेश विवि व ए.पी.जी. विवि पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। ❖

जैसे को तैसा

एक बार की बात है, घने जंगल में एक उन्मत्त हाथी ने भारी उत्पात मचा रखा था। वह अपनी ताकत के नशे में चूर होने के कारण किसी को कुछ नहीं समझता था। एक पेड़ पर एक चिड़िया व चिड़े का छोटा-सा सुखी संसार था। चिड़िया अंडों पर बैठी नन्हे-नन्हे प्यारे बच्चों के निकलने के सुनहरे सपने देखती रहती। एक दिन क्रूर हाथी गरजता, चिंघाड़ता पेडों को तोड़ता-मरोड़ता उसी ओर आया। देखते ही देखते उसने चिड़िया के घोंसले वाला पेड़ भी तोड़ डाला। घोंसला नीचे आ गिरा। अंडे टूट गए और ऊपर से हाथी का पैर उस पर पड़ा।

चिड़िया और चिड़ा चीखने-चिल्लाने के सिवा और कुछ न कर सके। हाथी के जाने के बाद चिड़िया छाती पीट-पीटकर रोने लगी। तभी वहां कठफोड़वी आई। वह चिड़िया की अच्छी मित्र थी। कठफोड़वी ने उनके रोने का कारण पूछा तो चिड़िया ने अपनी सारी कहानी कह डाली। कठफोड़वी बोली- 'इस प्रकार गम में डूबे रहने से कुछ नहीं होगा। उस हाथी को सबक सिखाने के लिए हमें कुछ करना होगा'। चिड़िया ने निराशा दिखाई- 'हम छोटे-मोटे जीव उस बलशाली हाथी से कैसे टक्कर ले सकते हैं?' कठफोड़वी ने समझाया- 'एक और एक मिलकर ग्यारह बनते हैं। हम अपनी शक्तियां जोड़ेंगे। 'कैसे?' चिड़िया ने पूछा। 'मेरा एक मित्र भंवरा है। हमें उससे सलाह लेनी चाहिए। 'चिड़िया और कठफोड़वी भंवरे से मिली। भंवरा गुनगुनाया ' यह तो बहुत बुरा हुआ। मेरा एक मेंढक मित्र है आओ, उससे सहायता मांगे।' अब तीनों उस सरोवर के किनारे पहुंचे, जहां वह मेंढक रहता था। भंवरे ने सारी समस्या बताई। मेंढक भर्राए स्वर में बोला- 'आप लोग धैर्य से जरा यहीं मेरी प्रतीक्षा करें। मैं गहरे पानी में बैठकर सोचता हूं।' ऐसा कहकर मेंढक जल में कूद गया। आधे घंटे बाद वह पानी से बाहर आया तो उसकी आंखें चमक रही थी। वह बोला- 'दोस्तों! उस हत्यारे हाथी को नष्ट करने की मेरे दिमाग में एक बडी अच्छी योजना आई है। उसमें सभी का योगदान होगा।' मेंढक ने जैसे ही अपनी योजना बताई, सब खुशी से उछल पड़े। योजना सचमुच ही अदभुत थी। मेंढक ने दोबारा बारी-बारी सबको अपना-अपना रोल समझाया। कुछ ही दूर वह उन्मत्त हाथी तोड़-फोड़ मचाकर व पेट भरकर कोंपलों वाली शाखाएं खाकर मस्ती में खड़ा झूम रहा था। पहला काम भंवरे का था। वह हाथी के कानों के पास जाकर मधुर राग गुंजाने लगा। राग सुनकर हाथी मस्त होकर आंखें बंद करके झूमने लगा। तभी कठफोड़वी ने अपना काम कर दिखाया। वह आई और अपनी सुई जैसी नुकीली चोंच से उसने तेजी से हाथी की दोनों आंखें बींध डाली। हाथी की आंखें फूट गईं। वह तडपता हुआ अंध होकर इधर-उधर भागने लगा।❖

इतनी सी उम्र में ऊंचा जज्बा

कहते हैं यदि हौंसला हो तो कोई काम मुश्किल नहीं होता। हैदराबाद के एक छोटे बच्चे ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया जिसको करने में बड़ों-बड़ों के पसीने छूट जाएं। हैदराबाद के इस बच्चे ने महज सात साल की उम्र में अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। अफ्रीका के तंजानिया के माउंट किलिमंजारो ऐसा पर्वत है जहां ठंड की वजह से अच्छे-अच्छे घबरा जाएं लेकिन सात वर्षीय समन्यु पोथुराजु ने इस पर जीत हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। दो अप्रैल को समुद्र तल से 5,715 मीटर ऊंचाई पर तिरंगा फहराया।❖

प्रश्नोत्तरी

1. हिमाचल प्रदेश का राजकीय पशु क्या है?
2. हिमाचल प्रदेश का राजकीय फूल कौन सा है?
3. हिमाचल प्रदेश के राजकीय पेड़ का नाम?
4. हिमाचल प्रदेश का राजकीय पक्षी क्या है?
5. हिमाचल प्रदेश का क्षेत्रफल कितना है?
6. हिमाचल प्रदेश का सबसे बडा नगर कौन सा है
7. हिमाचल प्रदेश की प्रमुख नदियां कौन सी हैं?
8. हिमाचल प्रदेश के प्रमुख लोक नृत्य क्या-क्या हैं?
9. हिमाचल प्रदेश की सीमाएं किन-किन पड़ोसी राज्यों और देशों से लगती है?
10. हिमाचल प्रदेश के प्रमुख उद्योग कौन-कौन से हैं?

सही उत्तर भेजने वालों के नाम आगामी अंक में प्रकाशित किए जाएंगे

पहेली

1. मेरे चार पैर हैं फिर भी मैं चल नहीं सकती हूँ और न ही बिना हिलाए हिल सकती हूँ लेकिन मैं सबको आराम जरूर देती हूँ. बताओ मैं कौन हूँ ?
2. मेरी आँखें हैं लेकिन मैं देख नहीं सकती हूँ। मेरे कान हैं लेकिन मैं सुन नहीं सकती हूँ। मेरी नाक है लेकिन मैं सूंघ नहीं सकती हूँ। मेरा मुँह भी है लेकिन मैं खा नहीं सकती हूँ। यहाँ तक कि मेरे हाथ और पैर भी हैं लेकिन फिर भी न मैं किसी को पकड़ सकती हूँ और न ही मैं चल सकती हूँ। बताओ मैं कौन हूँ ?
3. ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम पानी के अन्दर खाते हैं ?
4. न मैं दिख सकती हूँ, न मैं बिक सकती हूँ और न ही मैं गिर सकती हूँ। बताओ मैं कौन हूँ ?
5. ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम आधा खा लेते हैं लेकिन फिर भी वह पूरी ही रहती है?
6. उस पक्षी का नाम बताइए जिसका मतलब अंग्रेजी में ज्यादा होता है?
7. पहेली -ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम निगलें तो जिन्दा रह पाएँ लेकिन अगर वो हमें निगले तो हम मर जाएँ।

चुटकुले

1. रामू पेट्रोल पंप पर- अरे भाई, जरा एक रुपए का पेट्रोल डाल दो।
   सेल्समैन-भाई, इतना पेट्रोल डलवाकर जाना कहां है ?
   रामू- अरे यार, कहीं नहीं जाना हम तो ऐसे ही पैसे उड़ाते रहते हैं..!!
2. बैंक में मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना
   गोलू -लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिये
   मैनेजर- देखिये आप गुस्सा मत करिये,
   शांति से बात कीजिये..
   गोलू- ठीक है बुलाओ शांति को,
   आज उसी से बात करूँगा !
3. एक महिला एक सांड को हलवा-पूड़ी खिला रही थी। वहां खड़े एक सज्जन को शक हुआ कि यह महिला शायद सांड को गाय समझ रही है।
   तब सज्जन व्यक्ति ने कहा- बहन, यह सांड है गाय नहीं, जो आप इसे पूड़ियां खिला रही हैं
   ...और यह सांड प्रतिदिन गांव में 3-4 लोगों को सींग मारकर हड्डियां तोड़ देता है।
   महिला- भाई साहब, मुझे पता है कि यह सांड है, पर आपको नहीं पता कि मेरे पति हड्डियों के डॉक्टर हैं और उनका हॉस्पिटल इसी सांड की वजह से ही चल रहा है।

H.P. STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

1st Floor, IT Bhawan, Mehli, Shimla-171013 (H.P.)

HP STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION WAS INCORPORATED ON 22.10.1984 UNDER THE COMPANIES ACT, 1956 WITH AUTHORIZED CAPITAL OF RS. 3.00 CRORES TO PROMOTE THE DEVELOPMENT OF ELECTRONICS IN HP; TO PROVIDE CONSULTANCY SERVICES AND GUIDANCE TO ENTREPRENEURS FOR IDENTIFICATION AND LOCATION OF PROJECTS;AND TO SUPPLY OF VARIOUS ELECTRONIC EQUIPMENTS AT COMPETITIVE RATES ENSURING AFTER SALE SUPPORT DURING WARRANTY & POST WARRANTY PERIOD.

MAIN ELECTRONIC ITEMS SUPPLIED BY THE CORPORATION UNDER RATE CONTRACT ARE - SERVERS, DESKTOPS, ALL IN ONE COMPUTERS, LAPTOPS, TABLETS, ALL TYPE OF PRINTERS, UPS, NETWORKING EQUIPMENTS (SWITCHES, WI-FI SOLUTIONS), STANDARD SOFTWARE PACKAGES, GPS EQUIPMENTS, PHOTOCOPIERS, FAX MACHINES, EPABX, AUDIO VIDEO EQUIPMENTS, LCD/LED T.V./LFD'S, PROJECTORS, VIDEO-CAMERAS, CCTV BASED SURVEILLANCE SYSTEMS, COMPUTER ACCESSORIES, INK/TONER CARTRIDGES FOR PRINTERS & PHOTOCOPIERS.

MEDICAL EQUIPMENTS LINE: X-RAY MACHINES, ULTRASOUND MACHINES, LAPAROSCOPE, WHOLE BODY MID END COLOUR DOPPLER, BLOOD CHEMISTRY AUTO ANALYSER, BED SIDE MONITOR, AUTOMATIC FILM PROCESSOR ETC.

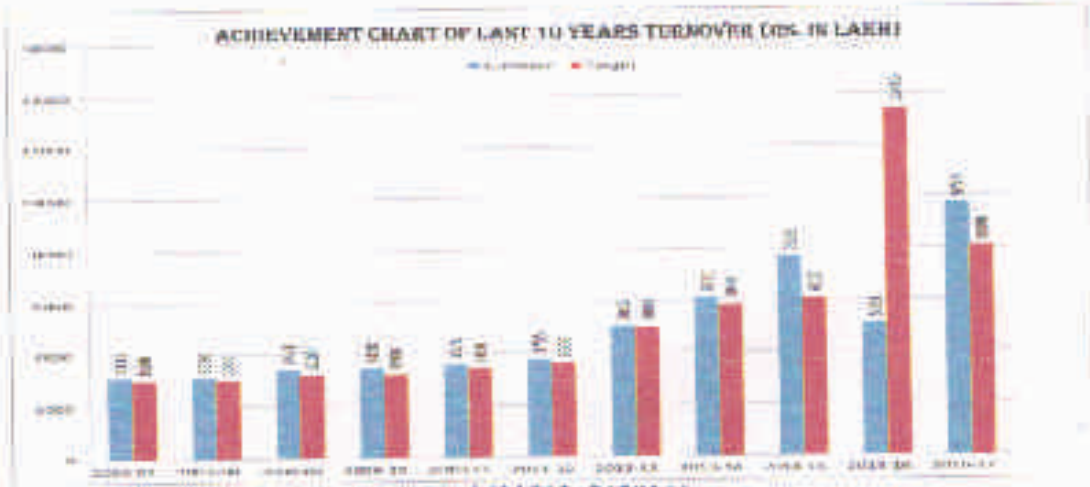

Phone: 2623513, 2623043, 2623259, 2623543, 2620146,
2623507, 2628473, FAX : 0177-2626320
E-mail: md@hpsede.in, hpsede@hpsede.in
or visit at www.hpsede.in

Managing Director
H.P. State Electronics Development
Corporation Limited

HP/48/SML (upto 31-12-2020) Pre Paid RNI No. HPHIN/2001/04280

H.P. STATE COOPERATIVE BANK LIMITED

Head Office, The Mall, Shimla-171001

"Bank of the State for the State"

1st Cooperative Bank of the Country on 100% C.B.S.

Dedicated to the services of the people of H.P. since 1953.

Wide Service Network

Branches	Extension Counters	ATMs
218	23	90

Enjoy the Mobile Banking 24X7. Download 'HIMPESA' App from Play Store

LOAN SCHEMES

- EDUCATION LOAN
- HOUSE LOAN
- AGRI. LOAN
- SELF EMPLOYMENT LOAN
- VEHICLE LOAN
- PERSONAL LOAN
- DAIRY ENTREPRENEUR DEVELOPMENT SCHEME
- KCC SCHEME
- LOAN AGAINST SALARY
- MUDRA LOAN
- PMEGP

Lowest Interest Rates on Loans

FACILITIES AVAILABLE

Maximum Interest Rates on Deposits

DEPOSIT SCHEMES
1. HIM LAKHPATI JAMA YOJNA
2. PYGMY DEPOSITS
3. 444 DAYS DEPOSIT
4. HPN DEPOSITS
5. FIXED DEPOSITS
6. PAANCH SAAL MEIN LAKHPATI YOJANA

SOCIAL SCHEMES
1. PRADHAN MANTRI JAN DHAN YOJNA
2. PRADHAN MANTRI JIWAN JYOTI BIMA YOJNA
3. PRADHAN MANTRI SURAKSHA BIMA YOJNA

OTHER FACILITIES
1. MOBILE BANKING
2. RTGS / NEFT / IMPS
3. ATM Facility
4. RuPaY Debit Card

Avail HPSCB- Advantage

* Highest Rate of interest on deposits to Senior Citizens
* Quick disposal * Low margin requirements

For more details- Visit our nearest Branch todayor Log on to www.hpscb.com

Khushi Ram Balnatah
Chairman

Toll Free No. 1800-180-8090
10.00AM TO 5.00 PM ON WORKING DAYS

Ram Kumar Gautam, H.A.S.
Managing Director

Designed by : New Era Graphics, Shimla Ph. : 2628276

मातृवन्दना प्रकाशक एवं मुद्रक कमल सिंह सेन द्वारा मातृवन्दना संस्थान के लिए सवितार प्रैस, प्लॉट 820, फेस - 2, उद्योग क्षेत्र चंडीगढ़ से मुद्रित तथा डॉ. हेडगेवार भवन, नाभा, शिमला - 171004, से प्रकाशित।